हिंदी वल्लरी

-: स्पर्ति :-

तृतीयभाषा हिंदी

10वीं कक्षा के छात्रों के लिए परीक्षा हेतु अध्ययन सामग्री

(पढ़ने में कंजोर छात्रों के लिए)

श्री अशोक कुमार बी.जी. M.A,B.ED.,

हिंदी अध्यापसरकारी पदविपूर्व कॉलेज (प्रौढ़शाला विभाग) कोप्पा

चिक्कमगलूरू जिला - 577126

हिंदी वल्लरी 10वीं कक्षा तृतीय भाषा हिंदी

-: अनुक्रमाणिका :-

क्र. सं	विषय	पृष्ठ संख्या
01	मातृभूमि	3
02	कश्मीरी सेब	3
03	गिल्लू	4
04	अभिनव मनुष्य	5
05	मेरा बचपन	6
06	बसंत की सच्चाई	6
07	तुलसी के दोहे	7
08	इंटरनेट क्रांति	8
09	ईमानदारों के सम्मलेन में	9
10	दुनिया में सबसे पहला मकान	10
11	रोबोट	11
12	महिला की साहस गाथा	12
13	सूर - श्याम	13
14	कर्नाटक संपदा	13
15	बाल - शक्ति	14
16	कोशिश करनेवालों की - हार नहीं होती	15
17	शनि : सबसे सुन्दर ग्रह	16
18	सत्य की महिमा	16
19	नागरिक के कर्तव्य	17
20	कन्नड़ में अनुवाद करो	18
21	अनुरूपता	18
22	व्याकरण	
	1 संधि	18
	2 समास	21
	3 पर्यायवाची शब्द	23
	4 अन्य वचन	24
	5 काल	24
	6 अन्य लिंग	25
	7 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	25
	8 मुहावरे	26
	9 कहावतें	26
	10 प्रेरणार्थक क्रिया	26
23	पत्र लेखन	27
	निबंध लेखन	28
24	1. इंटरनेट क्रांति	28 to 31
	2. नारी तुम केवल श्रद्धा हो	
	3. जनसँख्या की समस्या	
	4. वन महोत्सव	
	5. इंटरनेट वरदान / अभिशाप	
	6. स्वच्छ भारत अभियान	
	7. समाचार पत्र	
	8. खेलों का महत्त्व	
	9. मेरी पाठ शाला	

	10. बेरोजगारी की समस्या	
25	ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हिंदी साहित्यकार	32

01. मातृभूमि - भगवतीचरण वर्मा

कवि परिचय :

कवि का नाम : भगवतीचरण वर्मा
जन्म स्थान : उन्नाव जिले के शफिपुर
जन्म तिथि : 30 अगस्त 1903
रचनाएँ : चित्रलेखा, पतन, मेरे नाटक, भूले–बिसरे चित्र आदि।
मृत्यु : 5 अक्तूबर 1981
पुरस्कार : साहित्य अकादमी पुरस्कार
'विचार' और 'नवजीवन' पत्रिकाओं के संपादक थे।

अ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1) कवि किसे प्रणाम कर रहे हैं? **उत्तर :** कवि मातृभूमि(भारत माता) को प्रणाम कर रहे हैं।
2) भारत माँ के हाथों में क्या है? **उत्तर :** भारत माँ के एक हाथ में न्याय–पताका, दूसरे हाथ में ज्ञान–दीप है।
3) आज माँ के साथ कौन है? **उत्तर** : आज माँ के साथ कोटि–कोटि जन हैं।
4) सभी ओर क्या गूँज उठा है? **उत्तर :** सभी ओर जय–हिंद का नाद गूँज उठा है।
5) भारत के खेत कैसे हैं? **उत्तर :** भारत के खेत सुहाने, हरे–भरे हैं।
6) भारत भूमि के अंदर क्या–क्या भरा हुआ है? **उत्तर** : भारत भूमि के अंदर खनिजों का धन भरा हुआ है।
7) सुख–संपत्ति, धन–धाम को माँ कैसे बाँट रही है? **उत्तर :** सुख–संपत्ति, धन–धाम को माँ मुक्त हस्त बाँट रही है।
8) जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं? **उत्तर :** जग के रूप को बदलने के लिए कवि मातृभूमि से निवेदन करते हैं।
9) 'जय–हिंद' का नाद कहाँ–कहाँ गूँजना चाहिए? **उत्तर** : 'जय–हिंद' का नाद सकल नगर और ग्राम में गूँजना चाहिए।
10) कवि मातृभूमि को कितने बार प्रणाम करते हैं? **उत्तर** : कवि मातृभूमि को शत–शत बार प्रणाम करते हैं।
11) मुक्त–हस्त से माँ क्या बाँट रही है? **उत्तर** : मुक्त–हस्त से माँ सुख–संपत्ति बाँट रही है।
12) भारत के वन–उपवन किससे भरे हैं? **उत्तर** : भारत के वन–उपवन फल–फूलें से भरे हैं।
13) भारत माँ के उर में कौन शायित हैं? **उत्तर** : भारत माँ के उर में गाँधी, बुद्ध और राम शायित हैं।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) भारत माँ के प्रकृति–सौंदर्य का वर्णन कीजिए।
भारत माँ की गोद में खेत सुहाने हरे–भरे हैं। सब वन–उपवन फल–फूलों से युक्त हैं। भू में खनिजों का धन भरा हुआ है।
2) मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है?
मातृभूमि के एक हाथ में न्याय–पताका, दूसरे हाथ में ज्ञान–दीप है। मुक्त–हस्त से सुख–संपत्ति, धन–धाम बाँट रही है। माँ के साथ कोटि–कोटि जन हैं। सकल नगर और ग्राम में जय–हिंद का नाद गूँज उठा है इससे मातृभूमि सुशोभित है।

ऑ. जोड़कर लिखिए :

अ		आ
1) तेरे उर में शायित	–	गाँधी, बुद्ध और राम
2) फल–फूलों से युत	–	वन–उपवन
3) एक हाथ में	–	न्याय–पताका
4) कोटि–कोटि हम	–	आज साथ में
5) मातृ–भू	–	शत–शत बार प्रणाम

ई. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

1) कवि मातृभूमि को **शत–शत** बार प्रणाम कर रहे हैं।
2) भारत माँ के उर में गाँधी, बुद्ध और राम **शायित** हैं।
3) वन, उपवन **फल–फूलों** से युक्त है
4) **मुक्त हस्त** से मातृभूमि सुख–संपत्ति बाँट रही है।
5) सभी ओर **जय–हिंद** का नाद गूँज उठे।

~*~*~*~*~*~*~*~

2. कश्मीरी सेब (प्रेमचन्द) {कहानी}

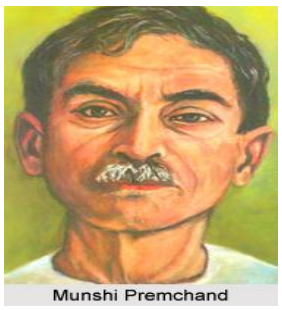

I एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. लेखक चीज़े खरीदने कहाँ गये थे ? **उत्तर :** लेखक चीज़े खरीदने ' चौक ' गये थे ।

2. लेखक को क्या नज़र आया ? **उत्तर :** लेखक को दुकान में ' रंगदार और गुलाबी सेब नज़र ' आया ।

3. लेखक का जी क्यों ललचा उठा ? **उत्तर :** रंगदार सेब और गुलाबी दुकान में सजे थे । ऐसे सेबों को खाने के लिए लेखक का जी ललचा उठा

4. टोमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है ? **उत्तर :** टोमाटो ' भोजन ' का आवश्यक अंग बन गया है ।

5 स्वाद में सेब किससे बढ़कर नही है ? **उत्तर :** स्वाद में सेब ' आम ' से बढ़कर नही है ।

6. रोज़ एक सेब खाने से किनकी ज़रूरत नही होगी ? **उत्तर :** रोज़ एक सेब खाने से ' डाक्टर ' की ज़रूरत नही होगी ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है ?

आजकल शिक्षित समाज में ' विटामिन और प्रोटीन ' के बारे में विचार किया जाता है ।

2. दुकानदार ने लेखक से क्या कहा ?

दुकानदार ने लेखक से कहा कि – 'बाबूजी बड़े मज़ेदार सेब आए है, खास कश्मीर के । आप ले जाएँ खाकर तबीयत खुश हो जायेगी ।'

3. दुकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा ?

दुकानदार ने अपने नौकर से कहा कि – ' सुनो, आध सेर कश्मीरी सेब निकाल ला । चुनकर ला । '

4. सेब की हालत के बारे में लिखिए ?

पहले सेब में एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था । दूसरा सेब आधा सड़ा हुआ था । तीसरा सेब सड़ा तो नही था मगर एक तरफ दबकर विलकुल पिचक गया था । चौथा सेब बेदाग था मगर उसमें एक काला सुराख था ।

~~*~*~*~*~*~*~*

3 गिल्लू - (रेखाचित्र)

–महादेवी वर्मा

I. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1) महादेवी वर्मा किस स्तर की कवयित्री हैं? **उत्तर :** महादेवी वर्मा विश्व स्तर की कवयित्री हैं।

2) वर्मा का जन्म कब और कहाँ हुआ? **उत्तर :** वर्मा का जन्म 24 मार्च 1907 को फरूखाबाद में हुआ।

3) वर्मा जी की कृतियाँ कौन–सी है?

उत्तर : वर्मा जी की कृतियाँ हैं–यामा, नीरजा, नीहार, दीपशिखा, संध्यागीत आदि।

4) वर्मा के माता–पिता कौन थे? **उत्तर :** वर्मा की माता हेमारानी देवी पिता गोविंद प्रसाद वर्मा थे।

5) महादेवी वर्मा की किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है? **उत्तर :** महादेवी वर्मा की यामा कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है।

6) वर्मा जी को कौन–से पुरस्कार मिले हैं? **उत्तर :** वर्मा जी को सक्सेरिया, मंगला प्रसाद, द्विवेदी पदक और ज्ञानपीठ पुरस्कार मिले हैं।

7) लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है?

उत्तर : लेखिका ने कौए को विचित्र पक्षी कहा है क्यों कि एक साथ समादरित, अनादरित, अति सम्मानित,अति अवमानित है।

8) गिलहरी का बच्चा कहाँ पड़ा था? **उत्तर :** गिलहरी का बच्चा गमले से चिपका पड़ा था।

9) लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया? **उत्तर :** लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

10) लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पड़ा? **उत्तर :** लेखिका को मोटर–दुर्घटना में आहत होकर अस्पताल में रहना पड़ा।

11) गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था? **उत्तर :** गिलहरी का प्रिय खाद्य काजू था।

12) वर्मा जी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थी? **उत्तर :** वर्मा जी गिलहरी को गिल्लू नाम से बुलाती थी।

13) गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था? **उत्तर :** गिलहरी का लघु गात लिफाफे के भीतर बंद रहता था।

14) गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था? **उत्तर :** गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

15) गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है? **उत्तर :** गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया दो वर्ष होती है।

16) गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है? **उत्तर :** गिलहरी की समाधि सोनजुही की लता के नीचे है।

17) गिलहरी का बच्चा कहाँ से गिर पड़ा था? **उत्तर :** गिलहरी का बच्चा घोंसले से गिर पड़ा था।

18) गिल्लू की आँखें कैसी थी? **उत्तर :** गिल्लू की आँखें काँच के मोतियों जैसी थी।

19) वर्मा जी ने डलिया कहाँ लटका दिया? **उत्तर :** वर्मा जी ने डलिया खिड़की पर लटका दिया।

20) गिल्लू को किस की लता सबसे अधिक प्रिय थी? **उत्तर :** गिल्लू को सोनजुही की लता सबसे अधिक प्रिय थी।

II. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?

लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरा करता था।

2) वर्मा को चौंकाने के लिए वह कहाँ–कहाँ छिप जाता था?

वर्मा को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

3) लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी?

लेखिका ने गिलहरी को ऐसी स्थिति में दिखायी पड़ी कि एक छोटा–सा बच्चा वह घोंसले से गिर पड़ा है अतः वह निश्चेष्ट–सा गमले से चिपका पड़ा था।

4) लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये?

लेखिका ने गिल्लू के प्राण इस तरह बचाया कि उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लाये, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

5) गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में दिन कैसे बिताये?

जब लेखिका अस्पताल में थीं तब उनके कमरे का दरवाजा खोला जाता, गिल्लू अपने झूले से उतरकर दौड़ता और फिर किसी दूसरे को देखकर तेजी से अपने घोंसले में जा बैठता। अपना प्रिय खाद्य बहुत कम खाता रहा।

III. चार–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) लेखिका ने गिलहरी को क्या–क्या सिखाया?

लेखिका ने गिलहरी को थाली के पास बैठना सिखाया, थाली में से एक–एक चावल उठाकर सफाई से खाना सिखाया और प्रेमभाव सिखाया।

2) गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए।

गिल्लू दिन भर न कुछ खाया न बाहर गया। पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि मैने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया परंतु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

3) गिल्लू के कार्य कलाप के बारे में लिखिए।

जब लेखिका लिखने बैठती तब अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने गिल्लू लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। कमरे से बाहर जाने पर वह भी की खुली जाली की राह से बाहर चला जाता और दिन भर गिलहरियों के झुण्ड का नेता बना रहता। हर डाल पर उछलता–कूदता रहता और ठीक चार बजे वह खिडकी से भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता था।

4) गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए।

महादेवी वर्मा ने पहले उस घायल गिलहरी को बचाकर प्यार दिया, पोषित किया, उस गिल्लू ने भी उसी तरह प्यार दिखाया। इन विचारों को इन संदर्भों में देख सकते हैं बचाने पर वह उँगली पकड़कर रहा। मोटर दुर्घटना में कुछ न खाया। वापस आने पर वर्मा को सहलाया।

IV. रिक्त स्थान भरिए :

1) यह **काकभुशुण्डि** भी विचित्र पक्षी है।
2) उसी बीच मुझे **मोटर दुर्घटना** में आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा।
3) **गिल्लू** की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया।
4) मेरे पास बहुत **पशु–पक्षी** हैं।
5) गिल्लू के जीवन का प्रथम **वसंत** आया।

~~*~*~*~*~*~*~*

4. अभिनव मनुष्य

– **रामधारीसिंह दिनकर**

कवि परिचय :

कवि का नाम : रामधारीसिंह 'दिनकर'
जन्म स्थान : बिहार प्रांत के मुंगेर जिला
जन्म तिथि : 1904
रचनाएँ : हुँकार, रेणुका, रसवंती, कुरुक्षेत्र, बापू, आदि।
मृत्यु : 1974
पुरस्कार : साहित्य अकादमी पुरस्कार

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) आज की दुनिया कैसी है? **उत्तर :** आज की दुनिया विचित्र और नवीन है।
2) मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है? **उत्तर :** मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता और उतरता है।
3) परमाणु किसे देखकर काँपते हैं? **उत्तर :** परमाणु मानव के करों को देखकर काँपते हैं।
4) 'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम लिखिए। **उत्तर :** अभिनव मनुष्य कविता के कवि हैं रामधारीसिंह 'दिनकर'
5) आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है? **उत्तर :** आधिनिक पुरुष ने प्रकृति के हप तत्व पर विजय पायी है।
6) नर किन–किन को एक समान लाँघ सकता है? **उत्तर :** नर सरित, गिरि, सिन्धु को एक समान लाँघ सकता है।
7) आज मनुष्य का यान कहाँ जा रहा है? **उत्तर :** आज मनुष्य का यान गगन में जा रहा है।
8) मानव के करों में क्या बँधे हैं? **उत्तर :** मानव के करों में वारि, विद्युत और भाप बँधे हुए हैं।
9) मानव किसका आगार है? **उत्तर :** मानव ज्ञान, विज्ञान और आलोक का आगार है।
10) मानव में किसकी जानकारी है? **उत्तर** : मानव में व्योम से लेकर पाताल तक की सब कुछ जानकारी है।
11) मानव की जीत किस पर होनी चाहिए? **उत्तर :** मानव की बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत होनी चाहिए।
12) मानव की सिद्धि किसमें है? **उत्तर :** मानव–मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधने में मानव की सिद्धि है।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' – इस पंक्ति का आशय समझाइए।

'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' – इस पंक्ति का आशय है कि मानव भूमि पर रहकर ही पानी विद्युत, हवा आदि को अपने हाथों में रख लिया है। जैसा चाहता है वैसा उसका उपयोग कर सकता है। वैज्ञानिकता में उन्नति के कारण उसकी कल्पना आसमान की ऊँचाई तक पहुँची है।

2) दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?

दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय यह है कि आज मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है। यह उसकी साधना है। मानव–मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है। इसलिए हर एक व्यक्ति से मानवता अधिक मोल है।

3) इस कविता का दूसरा कौन सा शीर्षक हो सकता है? क्यों?

इस कविता को यह शीर्षक ही उचित है क्यों कि आधुनिक युग में हर एक व्यक्ति नये विचारों को ही सोचता है नये कामों की खोज में ही है। बढ़ती वैज्ञानिकता के साथ यह भी बढ़ता जा रहा है।

~~*~*~*~*~*~*~*

5. मेरा बचपन - (अब्दुल कलाम)

[आत्म कथा]

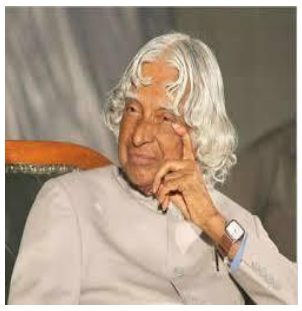

I एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. अब्दुल कलामजी का जन्म कहाँ हुआ ? **उत्तर :** अब्दुल कलामजी का जन्म ' तमिलनाडू के रामेश्वरम ' में हुआ था।
2. अब्दुल कलामजी बचपन में किस घर में रहते थे ? **उत्तर :** अब्दुल कलामजी बचपन में अपने ' पुश्तैनी घर ' में रहते थे।
3. अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी ? **उत्तर :** अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु ' पुस्तक ' थी।
4. जैनुलाबदीन ने कौन–सा काम शुरु किया ? **उत्तर :** जैनुलाबदीन ने ' लकडी की नौकाएँ ' बनाने का काम शुरु किया।
5. अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई कौन थे ? **उत्तर :** अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई ' शम्सुद्दीन ' थे।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए।

अब्दुल कलामजी के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी ऐशो – आरमवाली चीज़ों से दूर रहते थे। पर घर में सभी आवश्यक चीज़े समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं। इस प्रकार अब्दुल कलामजी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।

2. आशियम्माजी अब्दुल कलाम को खाने में क्या–क्या देती थी ?

आशियम्माजी अब्दुल कलामजी के सामने केले का पत्ता बिछातीं और फिर उस पर चावल एवं सुगंधित स्वादिष्ट सांबार डालती , साथ में घर में बना अचार और नारियल की ताज़ी चटनी भी होती।

3. जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में क्या कहते थे ?

जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते है कि जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक इस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म – पंथ का कोई भेदभाव नहीं होती।

4 जैनुलाबदीन ने कौन–सा काम शुरु किया ?

अब्दुल कलामजी के पिताजी जैनुलाबदीन स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दीन के साथ समुद्र तट के पास नौकाएँ बनाने लगे।

III चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. शम्सुद्दीन अखबारों के वितरण का कार्य कैसे करते थे ?

शम्सुद्दीन रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक थे। अखबार रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे, जो पामबन से आती थी। इस अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे। रामेश्वरम में अखबारों की जुमला एक हज़ार प्रतियाँ बिकती थी।

~~*~*~*~*~*~*~*

6. बसंत की सच्चाई - विष्णु प्रभाकर

अ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1) बसंत क्या–क्या बेचता था? **उत्तर :** बसंत छलनी, बटन और दियासलाई बेचता था।
2) बसंत के भाई का नाम क्या था? **उत्तर :** बसंत के भाई का नाम प्रताप था।
3) पंडित राजकिशोर क्या काम करते थे? **उत्तर :** पंडित राजकिशोर मजदूरों के नेता थे, लेक्चर देते थे।
4) छलनी का दाम क्या था? **उत्तर :** छलनी का दाम दो आने (12पैसे) था।
5) बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे? **उत्तर :** बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में रहते थे।
6) बसंत की सच्चाई एकांकी में कितने दृश्य हैं? **उत्तर :** बसंत की सच्चाई एकांकी में तीन दृश्य हैं।
7) एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है? **उत्तर :** एकांकी का प्रथम दृश्य बाजार में घटता है।
8) बसंत के घर पर डॉक्टर को कौन ले आता है? **उत्तर :** बसंत के घर पर डॉक्टर को अमरसिंह ले आता है।
9) पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है? **उत्तर :** पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण ईमानदार है।
10) पं. राजकिशोर कहाँ रहते थे? **उत्तर :** पं. राजकिशोर किशनगंज में रहते थे।
11) भीखू अहीर का घर कहाँ था? **उत्तर :** भीखू अहीर का घर अहीर टीले में था।
12) बसंत ने पं. राजकिशोर को क्या बेचा था? **उत्तर :** बसंत ने पं. राजकिशोर को छलनी बेचा था।
13) बसंत की टाँगें किसके नीचे कुचली गई? **उत्तर :** बसंत की टाँगें मोटर के नीचे कुचली गई।
14) डॉक्टर का नाम क्या था? **उत्तर :** डॉक्टर का नाम वर्मा था।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) छलनी से क्या–क्या कर सकते हैं?
छलनी से दूध, चाय, कॉफी छान सकते हैं।
2) बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता हैं?
बसंत राजकिशोर से यह विनती करता है कि साहब! छलनी लीजिए, बटन देशी है और दियासलाई लीजिए। साहब! एक तो ले लीजिए।
3) बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है?
बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार इसलिए करता है कि वह उसे भीख समझता था, भीख माँगकर जीने की आशा नहीं थी।
4) बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा?
बसंत राजकिशोर के पास इसलिए नहीं लौटा कि भुना लाते समय मोटर के नीचे अपनी दोनो टाँगें कुचली थी।
5) प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया?
प्रताप राजकिशोर के घर इसलिए आया कि अपना भाई ने इनको छलनी बेची थी। भुना देने के लिए आया था।
6) बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया?
बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए इस तरह प्रेरित किया– साहब! सुबह से कुछ नहीं बिका, आपसे आशा थी। साहब एक तो लीजिए।
7) बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने क्या कहा?
बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने कहा–ऐसा लगता है कि पैर की हड्डी टूट गई है। स्क्रीन करके देखना होगा। दूसरा पैर ठीक है। इसे अभी अस्पताल ले जाना चाहिए।

इ. चार–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे?
बसंत सचमुच एक ईमानदार लड़का है। वह स्वाभिमानी था। किसी से कुछ न माँगता, भीख न माँगता, खुद कुछ सामान बेचकर अपनी कमाई से जीवन करता था। साथ ही भाई प्रताप को पालता था। पैर कुचलने पर भी अपने भाई प्रताप को भुना देकर आने कहा। डॉक्टर जब इंजक्शन दे रहे थे तब उनसे कहा मैं गरीब हूँ। इस तरह वह किसी से सहायता न लेना चाहता था।
2) बसंत और प्रताप अहीर के घर में क्यों रहते हैं?
बसंत और प्रताप दोनों के सिवा और कोई सदस्य नहीं थे। वे दोनों मेहनत से ही अपना जीवन बिताते थे। इनके माँ–बाप दंगों के समय मारे गये थे। इसलिए अहीर के घर में रहते थे।
3) राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए।
राजकिशोर एक समाज सेवक थे। वे सचमुच एक भावनातीत व्यक्ति थे। बसंत के दुःख को जान सके और छलनी ले लिये। जब प्रताप द्वारा भुना मिलने पर उसकी ईमानदारी से प्रेरित हुए। बसंत की दुर्घटना की खबर सुनते ही उसकी सेवा करने के लिए आगे आये।

ई. किसने कहा? किससे कहा?

1) "नहीं साहब, नहीं। मैं पैसे नहीं लूँगा।" उत्तर : बसंत ने कहा । राजकिशो से कहा ।
2) "आप क्या कर रहे हैं? मैं गरीब हूँ।" उत्तर : बसंत ने कहा । डॉक्टर से कहा ।
3) "आज दोपहर को उसने आपको एक छलनी बेची थी। उत्तर : प्रताप ने कहा । राजकिशोर से कहा ।

उ. रिक्त स्थान भरिए :

1) मैं अभी बाजार से **भुना** लाता हूँ।
2) मैं आपके **साढ़े चौदह** आने लाया हूँ।
3) हम दोनों **भीखू अहीर के** घर में रहते हैं।
4) मैं **एम्बुलन्स** के लिए फोन कर आता हूँ।
5) इसमें एक दुर्लभ गुण है यह **ईमानदारी** है।

~~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*

7. तुलसी के दोहे - गोस्वामी तुलसीदास

कवि परिचय :

कवि का नाम : गोस्वामी तुलसीदास
जन्म स्थान : उत्तर प्रदेश के राजापुर
जन्म तिथि : 1532
रचनाएँ : रामचरित मानस, कवितावली, दोहावली, गीतावली
मृत्यु : 1623

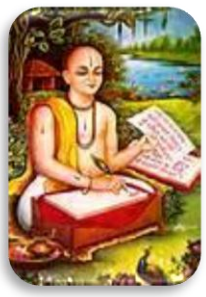

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) तुलसीदास मुख को क्या मानते हैं? **उत्तर :** तुलसीदास मुख को मुखिया मानते हैं।
2) मुखिया को किसके समान होना चाहिए? **उत्तर :** मुखिया को मुख के समान होना चाहिए।
3) हंस का गुण कैसा होता है? **उत्तर :** हंस का गुण संत(साधु) जैसा होता है।
4) मुख किसका पालन–पोषण करता है? **उत्तर :** मुख शरीर के सारे अंगों का पालन–पोषण करता है।
5) दया किसका मूल है? **उत्तर :** दया धर्म का मूल है।
6) तुलसीदास किस शाखा के कवि हैं? **उत्तर :** तुलसीदास रामभक्ति शाखा के कवि हैं।
7) तुलसीदास के माता–पिता का नाम क्या था? **उत्तर :** तुलसीदास के माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम था।
8) तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था? **उत्तर :** तुलसीदास के बचपन का नाम रामबोला था।
9) पाप का मूल क्या है? **उत्तर :** पाप का मूल अभिमान है।
10) तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी कौन हैं? **उत्तर :** तुलसीदाक के अनुसार विपत्ति के साथी विद्या, विनय, विवेक हैं।
11) सृष्टिकर्ता ने इस संसार को किससे बनाया है? **उत्तर :** सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड़–चेतन, गुण–दोषों से बनाया है।

12) तुलसीदास के अनुसार मानव कब तक दयालु बनकर रहना चाहिए?

उत्तर : तुलसीदास के अनुसार जब तक मानव के शरीर में प्राण रहता है तब तक दयालु बनकर रहना चाहिए।

13) राम पर भरोसा करनेवाला मानव क्या बनता है? **उत्तर :** राम पर भरोसा करनेवाला मानव साहसी, सत्यव्रती और सुकृतवान बनता है।

14)राम नाम जपने से क्या होता है? **उत्तर :** राम नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। कैसे?

मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। मुँह खाने–पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता–पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन–पोषण करता है। तुलसी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरफ से करें लेकि उसका फल सभी में बाँटे।

2) मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए?

हंस दूध और पानी को मिलाकर देने से केवल दूध को ही ग्रहण कर लेता है, उसी प्रकार मनुष्य को पानी रूपी विकारों(दोष) को छोड़कर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

3) मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश कब फैलता है?

मनुष्य, जीवन में दयालु बनकर रहना चाहिए। देहरी पर दिया रखने से अंदर और बाहर प्रकाश जिस प्रकार फैलता है उसी प्रकार राम–नाम जपने से मनुष्य की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है। चारों ओर प्रकाश फैलता है।

~~*~*~*~*~*~*

8. इंटरनेट–क्रांति - (निबंध)

अ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1) इंटरनेट का अर्थ क्या है? **उत्तर :** इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

2) संचार और सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व हैं ? **उत्तर :** इंटरनेट संचार और सूचना क्षेत्र में आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

3) इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है? **उत्तर :**इंटरनेट बैंकिंग द्वारा रकम (धनराशि) भेजा जा सकता है।

4) प्रगतिशील राष्ट्र किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं? **उत्तर :** प्रगतिशील राष्ट ई–गवर्नेन्स (ई–प्रशासन) के द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

5) समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है? **उत्तर :** समाज के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का योगदान है।

6) इंटरनेट–क्रांति का असर किस पर पड़ा है? **उत्तर :** इंटरनेट–क्रांति का असर बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों पर पड़ा है।

7) रोहन के पिताजी ने उसको क्या सुझाव दिया? **उत्तर :** रोहन के पिताजी ने उसको सुझाव दिया कि अपने कंप्यूटर शिक्षक से पूछताछ करे।

8) आई.टी.ई.एस का विस्तृत रूप क्या है? **उत्तर :** इनफारमेशन टैक्नोलजी एनेबल्ड सर्विसस।

9) आज का युग कैसा युग है? **उत्तर :** आज का युग इंटरनेट युग है।

10) इंटरनेट के उपयोग से क्या बढ़ गया है? **उत्तर :**इंटरनेट के उपयोग से इनसानी सोच का दायरा बढ़ गया है।

11) इंटरनेट कितना आवश्यक हो गया है? **उत्तर :** इनसान के लिए खान–पान जितना जरूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक हो गया है।

12) सोशल नेटवर्किंग के साइट्स कौन–से हैं? **उत्तर :** सोशल नेटवर्किंग साइट्स हैं–फेसबुक, आरकुट, ट्वि र, लिंकडइन आदि।

13) किसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं? **उत्तर :** इंटरनेट के बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं।

14) किसने मानव–जीवन को सुविधाजनक बनाया है? **उत्तर :** वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव–जीवन को सुविधाजनक बनाया है।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) इंटरनेट का मतलब क्या है?

इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

2) व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है?

इंटरनेट द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। समय बच जाता है। इंटरनेट इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

3) ई–गवर्नेंस क्या है?

ई–गरर्नेंस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

4) संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है?

संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट द्वारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो,वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। यह आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

5) 'वर्चुअल मीटिंग रूम' के बारे में लिखिए ।

'वर्चुअल मीटिंग रूम' एक काल्पनिक सभागार है, जिसमें कई लोगों के साथ 8–10 टी.वी. के परदे पर एक साथ चर्चा होती है।

6) 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे?

'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। इसके कई साइट्स हैं। इन साइटों के कारण देश–विदेश के लोगों की रहन–सहन, वेश–भूषा, खान–पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

7) इंटरनेट से कौन सी हानियाँ हो सकती हैं?

इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बढ़ रही हैं। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। वक्त का दुरुपयोग होता है। बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं।

8) इंटरनेट का उपयोग किन क्षेत्रों में हो रहा है?

इंटरनेट का उपयोग चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि क्षेत्रों में हो रहा है।

9) इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। कैसे?

इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। उसने जीवन के हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है। जैसे–चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि। यहाँ तक कि देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

10) संचार माध्यम कौन–से हैं, उनका उपयोग कैसे होता है?

संचार माध्यम हैं–समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, दूरभाष, दूरदर्शन, इंटरनेट आदि साधन जिनका उपयोग सूचनाओं के संदेशवहन के लिए किया जाता है।

इ. जोड़कर लिखिए :

अ		आ
1. इंटरनेट ने पूरे विश्व को	–	एक छोटे गाँव का रूप दे दिया है।
2. इंटरनेट द्वारा कोई भी	–	बिल भर सकते हैं।
3. इंटरनेट समाज के लिए	–	बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ।
4. इंटरनेट की वजह से	–	पैरसी, हैकिंग आदि बढ़ रही है।
5. इंटरनेट से सबको	–	सचेत रहना चाहिए।

उ. रिक्त स्थान भरिए :

1) इंटरनेट एक तरह से विश्वव्यापी कंप्यूटरों का **अंतर्जाल** है।
2) आई. टी और आई. टी. ई. एस से अनगिनत लोगों को **रोज़गार** मिला है।
3) सोशल नेटवर्किंग के कई **साइट्स** हैं।
4) ई–गवर्नेंस से प्रशासन **पारदर्शी** बन सकता है।
5) इंटरनेट सचमुच एक **वरदान** है।
6) देश के **रक्षादलों** की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।
7) इंटरनेट एक ओर वरदान है तो वह **अभिशाप** भी है।

~~*~*~*~*~*~*~*~*

9. ईमानदारों के सम्मेलन में - (व्यंग्य रचना)

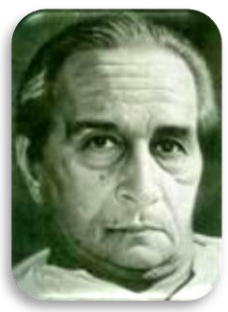

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन हैं? **उत्तर :** प्रस्तुत कहानी के लेखक हरिशंकर परसाई हैं।
2) लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे?

उत्तर : लेखक दूसरे दर्जे में इसलिए सफर करना चाहते थे कि पहले दर्जे के किराये से एक सौ पचास रुपये बचते थे।

3) लेखक की चप्पलें किसने पहनी थीं? **उत्तर :** लेखक की चप्पलें ईमानदार डेलिगेट ने पहनी थीं।
4) स्वागत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे? **उत्तर :** स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे।
5) लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये? **उत्तर :** लेखक पहनने के कपड़े सिरहाने के नीचे दबाकर सोये।
1) सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन–किन को प्रेरणा मिल सकती थी?

उत्तर : सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती थी।

2) लेखक को कहाँ ठहराया गया? **उत्तर** : लेखक को होटल के एक कमरे में ठहराया गया।
3) सम्मेलन का उद्घाटन कैसे हुआ? **उत्तर :** सम्मेलन का उद्घाटन शानदार हुआ।
4) ब्रीफकेस में क्या था? **उत्तर :** ब्रीफकेस में कागज़ात थे।
10) लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था? **उत्तर :** लेखक ने धूप का चश्मा टेबुल (मेज) पर रखा था।
11) तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था? **उत्तर :** तीसरे दिन लेखक के कमरे से कंबल गायब हो गया था।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?

लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में इसतरह लिखा गया था कि हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपको आने–जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि की व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

2) फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे?

फूल मालाएँ मिलने पर लेखक सोचने लगे कि आस–पास कोई माली होता तो फूल–मालाएँ बेच लेता।

3) लेखक ने मंत्री को क्या समझाया?

लेखक ने मंत्री को समझाया कि "ऐसा हरगिज मत करिये। ईमानदारों के सम्मेलन में पुलीस ईमानदारों की तलाशी लें, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।"

4) चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया?

चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने सुझाव दिया कि चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर। तब चप्पलें चोरी नहीं होती। एक ही जगह जोडी होगी, तो कोई भी पहन लेगा।

5) लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया?

लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय इसलिए लिया कि ईमानदारों के सम्मेलन में भाग लेने पर उनकी चप्पलें, चादर, कंबल और चश्मा चुराये गये थे।

6) मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है?

मुख्य अतिथि की बेईमानी जब चप्पलें चुराये व्यक्ति कुछ सुझाव देते हैं तब और चश्मा चुरानेवाले व्यक्ति सामने खड़े होकर बातें करते समय दिखाई देती है।

इ. चार–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए।

लेखक दूसरे दिन के बैठक में जाने के लिए धूप का चश्मा ढूँढने लगे जो टेबुल पर रखा गया था वह अब न मिला। वह भी गायब था। जब चाय की छु ी हुई तो सब सहानुभूति प्रकट की। उसमें एक डेलिगेट इनका चश्मा पहनकर इनको ही सलाह देने लगे थे।

2) मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुआ?

मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे "तुम लोग क्या करते हो? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ है तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही हैं। यह ईमानदारों का सम्मेलन है। बाहर यह चोरी की बात फैली तो कितनी बदनामी होगी? कार्यकर्ताओं ने कहा: "हम क्या करें अगर सम्माननीय डेलिगेट यहाँ–वहाँ जायें, तो क्या हम उन्हें रोक सकते हैं?"

3) सम्मेलन में लेखक को क्या–क्या अनुभव हुए? संक्षेप में लिखिए।

लेखक को सम्मेलन में ये अनुभव हुए रेल गाडी से उतरते ही मालाओं से उनका स्वागत हुआ। उद्घाटन शानदार हुआ। इनकी चप्पलें गायब हुईं। कमरे में कंबलें गायब थीं और उनका चश्मा गायब था, जो चुराई किये थे वे ही आकर इनको सुझाव दे रहे थे। इससे उनको अचरज लगा
साथ ही क्रोध आया, वे वहाँ से जल्दी ही निकलना चाहते थे।

ई. रिक्त स्थान भरिए :

1) हम लोग इस शहर में एक <u>ईमानदार</u> सम्मेलन कर रहे हैं।
2) आपकी चप्पलें नहीं गयीं, यह <u>गनीमत</u> है।
3) वह मेरा चश्मा लगाये <u>इतमीनान</u> से बैठे थे।
4) फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी <u>गड़बड़ी</u> होगी ही।

उ. किसने कहा? किससे कहा?

1) क्या आपकी चप्पलें कोई पहन गया? उत्तर : डेलिगेट ने कहा । लेखक से कहा ।
2) होटेलवाले ने धुलाने को भेज दी होगी। दूसरी आ जायेगी। उत्तर : कार्यकर्ताओं ने कहा । लेखक से कहा ।
3) मैं पुलिस को बुलाकर यहाँ सबकी तलाशी करवाता हूँ। उत्तर : मंत्री ने कहा । लेखक से कहा ।
4) चलिये, स्वागत समिति के साथ अच्छे होटल में भोजन हो जाये। उत्तर : मंत्री ने कहा । लेखक से कहा ।
5) अब मैं बचा हूँ। अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा। उत्तर : लेखक ने कहा । मंत्री से कहा ।

~~*~*~*~*~*~*~*

10 - दुनिया में पहला मकान - डॉ. विजया गुप्ता

I एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. सिंगफो आदिवासी कहाँ रहते थे ? **उत्तर :** सिंगफो आदिवासी पूर्वोत्तर भारत के ' गुफाओं में और पेडों ' के नीचे रहते थे ।
2. सबसे पहले आदमी को मकान बनाना किसने सिखाया ? **उत्तर :** सबसे पहले आदमी को मकान बनाना ' पशु–पक्षियों ' ने सिखाया ।
3. मकान के बारे में पूछ–ताछ करने दोनों दोस्त कहाँ चल पडे ? **उत्तर :** मकान के बारे में पूछ–ताछ करने दोनों दोस्त ' जंगल ' की ओर चल पडे ।
4. दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई ? **उत्तर :** दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले ' हाथी ' से हुई ।
5. दोस्तों ने क्या – क्या तय किया ? **उत्तर :** दोस्तों ने तय किया कि, वे ' मकान ' बनाएँगे ।
6. हाथी से उत्तर पाकर दोस्त किससे मिले ? **उत्तर :** हाथी से उत्तर पाकर दोस्त ' साँप ' से मेले ।
7. सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने क्या किया ? **उत्तर :** सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने ' मकान ' बनाया ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. लालिम और किंचा लालीदाम जंगल की ओर क्यों चल पड़े ?

लालिम और किंचा लालीदास दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे । मुश्किल यह था कि वे नही जानते थे कि मकान कैसे बनाए जाते है, इसलिए वे पशुओं से पूछ–ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पड़े ।

2. दोस्तों ने हाथी के साथ किसकी चर्चा की ?

दोस्तों ने हाथी के साथ मकान बनाने के बारे में चर्चा की । वे हाथी से जानना चाहते कि मकान कैसे बनाए जाते है ।

3. हाथी ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया ?

हाथी ने दोस्तों को उत्तर दिया कि "आगे की बात तो मैं नही जानता । मुझे रत्ती – भर भी पता नही ।"

4. दोस्तों ने किन–किन जानवरों से मुलाकात की ?

दोस्तों ने "हाथी, साँप, भैंस, और मछली" से मुलाकात की ।

III चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. साँप ने दोस्तों को क्या सुझाव दिया ?

साँप ने दोस्तों को सुझाव दिया कि "ऐसा करो कि लकड़ी ऐसी पतली और लंबी काटो, जैसा मैं हूँ। दोस्तों ने पूछा , इसके बाद फिए क्या करना पड़ेगा ? साँप ने कहा आगे की बात मैं नही जानता । मुझे रत्ती भर पता नही ।"

2. भैंस के पंजर से दोस्तों को क्या जानकारी मिली ?

भैंस के पंजर से दोस्तों को यह जानकारी मिली कि " जैसे भैंस के पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पड़ी है, उसी तरह चार मोटे गोले ज़मीन में गाड़कर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बनाना चाहिए ।"

3. मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया ?

मछाली ने दोस्तों के प्रश्न का जवाब इस प्रकार दिया " आप लोग ज़रा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो । फिर पेड़ों से बहुत–सी पत्तियाँ तोड़ लो । इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो, जैसी मेरी पीठ पर पट्टियाँ है ।"

12.रोबोट [कहानी] - डा. - प्रदीप मख्योपध्याय 'आलोक'

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. वर्षों से स्क्सेनाके परिवार में कौन काम कर रहा था ? **उत्तर :** वर्षोंसे सक्सेना के परिवार में ' साधोराम ' काम रहा था ।
2. धीरज सक्सेना किस कार्यालय में जा पहुँचे ? **उत्तर :** धीरज सक्सेना ' रोबोटोनिक्स कॉरपोरशन ' के कार्यालय में जा पहुँचे ।
3. एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से क्या साफ कर रहा था ? **उत्तर :** एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से ' दफ्तर के फर्श ' को साफ कर रहा था ।
4. रोबोनिल की मुलाकात किससे हुई ? **उत्तर :** रोबोनिल की मुलाकात ' रोबोदीप ' से हुई ।
5. शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम लिखिए ? **उत्तर :** शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम ' झबरू ' था ।
6. रोबोनिल और रोबोदीप किससे मिलने गए ? **उत्तर :** रोबोनिल और रोबोदीप ' रोबोजीत ' से मिलने गए ।
7. वैज्ञानिक लेखक का नाम लिखिए ? **उत्तर :** वैज्ञानिक लेखक का नाम ' आइज़क आसिमोव ' है ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. साधोराम को क्या हुआ था ?

साधोराम अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई । उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा ।

2 धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत क्यों थी ?

धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत इस लिए थी कि उनके नाती–पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए भी ।

3. रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा ?

रोबोदीप ने रोबोनिल से कहा कि, तुम्हारे आने से पहले साधोराम नाम का सेवक सक्सेना परिवार में काम करता था, वह अब अस्पताल में है । सक्सेना बता रहे थे कि वह अब साधोराम की छुट्टी करनेवाले है ।

4. रोबोनिल ने रोबोजीत को क्या समझाने की कोशिश की ?

रोबोनिल ने रोबोजीत को समझाने लगे कि धीरज सक्सेना के घर में पहले साधोराम नाम का सेवक काम करता था, वह अब अस्पताल में है । सक्सेना बता रहे थे कि वह अब साधोराम को थोड़ा मुआवज़ा देकर उनकी छुट्टी करनेवाले है ।

5. कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल को क्या हुआ ?

कहानी टाइप करके रोबोनिल की धात्विक और तारों भरे परिपंथ्वाली खोपड़ी में यकायक मानो नीली रोशनी हो गई । सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालुक, कोलार जिला

III पाँच–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया ?

धीरज सक्सेना के घर में पहले साधोराम नाम का सेवक काम करता था । अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई वह अब अस्पताल में था । सक्सेना का परिवार बड़ा था । सक्सेना परिवार के लोग पूरी तरह साधोराम के काम पर निर्भर थे । घरेलू कामकाज करने के लिए उनको सेवक का ज़रूरत था । इस कारण धीरज सक्सेना रोबोट को कामकाज के लिए रखने का निर्णय लिया

2. रोबोनिल और रोबोदीप की मुलाकात का वर्णन कीजिए ।

रोबोनिल रोज़ शाम को शेरू को टहलाने के लिए ले जाता था । ऐसे में एक दिन उसकी मुलाकात रोबोदीप से हो गई । रोबोदीप उसी मोहल्ले में रहनेवाले शर्मा परिवार के कुत्ते झबरू को घुमाने आया करता था । दोनों रोबोटों के बीच दोस्ती हुई ।

3. विज्ञान कथा का सार लिखिए ।

विज्ञान कथा का सार इस प्रकार है – एक घर में नौकर किसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित था, उसे निकालकर उसकी जगह पर एक रोबोट को रख दिया जाता है । किसी तरह रोबोट को इस बात की जानकारी मिल जाती है तो वह 'रोबोटिक संघ' से संपर्क साधकर संघ को सारी बातों से अवगत कराता है । संघ रोबोटों की हड़ताल की घोषणा कर देता है । इससे उस नौकर को घर में फिर से नौकरी में रख लिया जाएगा ।

4. रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल क्यों मच गई ?

रोबोनिल और रोबोदीप ' रोबोटिक संघ' में जाकर धीरज सक्सेना के नौकर साधोराम के बारे में सब कुछ बता दिए। इन सब बातों को अध्यक्ष सुनकर संघ की कार्यकारिणी की आपातकालीन बैठक बुलाईबिछेन्द्री पाल को ' एवरेस्ट की चोटी ' पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त हुआहै।

13. महिला की साहस गाथा I व्यक्ति परिचय I

1. बिछेन्द्री के माता–पिता कौन थे ? **उत्तर :** बिछेन्द्री के माता का नाम ' हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह ' था।

3. बिछेन्द्री ने क्या निश्चय किया ? **उत्तर :** बिछेन्द्री ने निश्चय किया कि ' उनके भाई तरह पर्वतारोहण करेगी। '

4. बिछेन्द्री ने किस ग्लेशियर पर चढ़ाई की ? **उत्तर :** बिछेन्द्री ने ' गंगोत्री ग्लेशियर ' पर चढ़ाई की।

5. सन 1983 में दिल्ली में कौन–सा सम्मेलन हुआ था ? **उत्तर :** सन 1983 में दिल्ली में ' हिमालय पर्वतारोहियों ' का सम्मेलन हुआ था।

6. एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे ? **उत्तर :**एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ पर्वतारोही ' अंग दोरजी ' थे

7. कर्नल का नाम क्या था ? **उत्तर :** कर्नल का नाम ' खुल्लर ' था।

8. ल्हाटू कौन–सी रस्सी लाया था ? **उत्तर :** ल्हाटू ' नायलॉन ' की रस्सी लाया था।

9. बिछेन्द्री ने थैले से कौन–सा चित्र निकाला ? **उत्तर :** बिछेन्द्री ने थैले से ' हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ ' का चित्र निकाला।

10. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेन्द्री से क्या कहा ? **उत्तर :** कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेन्द्री से कहा कि ' देश को तुम पर गर्व है। '

11. मेजर का नाम क्या था ? **उत्तर :** मेजर का नाम ' कुमार ' था।

12. बिछेन्द्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन–सा पदक देकर सम्मान किया ?

उत्तर : बिछेन्द्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने प्रतिष्ठित ' स्वर्ण–पदक ' देकर सम्मान किया।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. बिछेन्द्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए।

बिछेन्द्री का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था। उनके माता का नाम हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह था। वे अपने माता पिता के पाँच संतानों में तीसरी संतान थी। बिछेन्द्री के बड़े भाई को पहाड़ों पर जाना अच्छा लगता था। इसी जज़्बे से बिछेन्द्री पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया।}

2 बिछेन्द्री का बचपन कैसे बीता ?

बिछेन्द्री का बचपन बहुत मुश्किल में बीता। बचपन में बिछेन्द्री रोज़ ५ किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाता पड़ता था। सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी। इसी तरह उन्होंने संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड तक की शिक्षा प्राप्त की।

3. बिछेन्द्री ने पर्वतारोहण के लिए किन – किन चीज़ों का उपयोग किया ?

बिछेन्द्री ने पर्वतारोहण के लिए ' नायलॉन की रस्सी, ऑक्सीजन और फावड़े' का उपयोग किया था। सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालुक, कोलार जिला

4. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्द्री ने क्या किया ?

एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्द्री ने फावड़े से पहले बर्फ की खुदाई कर अपने आपको सुरक्षित रूप से स्थिर किया। इसके बाद अपने घुटनों के बल बैठी। बर्फ पर अपने माथे को लगाकर उन्होंने सागरमाथे के ताज का चुंबन किया। बिना उठे ही हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकालकर लाल कपड़े में लपेटा और छोटी – सी पूजा करके इनको बर्फ में दबा दिया।

III चार – पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए।

1. बिछेन्द्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?

बिछेन्द्री ने पहाड़ पर चढ़ने के लिए अनेक पहाडों पर चढ़कर अपने लक्ष्य को ताज़ी रखी। बिछेन्द्री ने एवरेस्ट चढ़ने के दिन सुबह चार बजे उठी , बर्फ पिघलाई और चाय बनाई। कुछ बिस्कुट और आधी चॉकलेट का हल्का नाश्ता करने के पश्चात वे लगभग साढ़े पाँच बजे अपने तंबू से निकल पड़ी।

2. दक्षिणी शिखर पर चढ़तेसमय बिछेन्द्री के अनुभव के बारे में लिखिए।

दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेन्द्री एक नायलॉन की रस्सी के सहारे शिखर पर चढ़े और आवश्यक चार लीटर ऑक्सीजन की अपेक्षा लगभग ढाई लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट की दर से लेकर चढ़ रही थी। रेगुलेटर पर जैसे ही ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाई तो उनका कठिन चढ़ाई आसान लगने लगी।

3. प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

प्रस्तुत पाठ से यह संदेश मिलता है कि– साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीख सकते है । इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते है । इस पाठ से जान सकते है कि 'मेहनत का फल अच्छा होता है ।'

IV जोडकर लिखिए ।

1. गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई – १९८२ ।
2. पर्वतारोहियों का सम्मेलन – १९८३ ।
3. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना – १९८४ ।

14. सूर–श्याम

– सूरदास

कवि परिचय :

कवि का नाम : सूरदास
जन्म स्थान : उत्तर प्रदेश के रुनकता
जन्म तिथि : 1540
रचनाएँ : सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी
मृत्यु : 1642

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) बालकृष्ण किससे शिकायत करता है? उत्तर : बालकृष्ण माँ यशोदा से शिकायत करता है।
2) बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है? उत्तर : बलराम के अनुसार कृष्ण को मोल लिया गया है।
3) बालकृष्ण का रंग कैसा था? उत्तर : बालकृष्ण का रंग काला(श्याम) था।
4) सूर–श्याम पद के रचयिता कौन हैं? उत्तर : सूर–श्याम पद के रचयिता सूरदास हैं।
5) कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है? उत्तर : कृष्ण की शिकायत बलराम के प्रति है।
6) यशोदा और नंद का रंग कैसा था? उत्तर : यशोदा और नंद का रंग सफेद था। (यशोदा और नंद गोरे थे।)
7) चुटकी दे–देकर हँसनेवाले कौन थे? उत्तर : चुटकी दे–देकर हँसनेवाले ग्वाल मित्र थे।
8) यशोदा किसकी कसम खाती है? उत्तर : यशोदा गोधन की कसम खाती है।
9) सूरदास की काव्यों की विशोषता क्या है? उत्तर : सूरदास की काव्यों में वात्सल्य, शृंगार तथा भक्ति का त्रिवेणी संगम हुआ है।
10) सूरदास किस शाखा कवि हैं? उत्तर : सूरदास कृष्ण भक्ति शाखा के कवि हैं।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता?
बलराम कृष्ण को चिढ़ाता है और कहता है यशोदा माँ ने तुम्हें जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी क्रोध के कारण कृषण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता।
2) बलराम कृष्ण के माता–पिता के बारे में क्या कहता है?
बलराम कृष्ण के माता–पिता के बारे में इस तरह कहता है कि तुम्हारे माता–पिता कौन हैं? नंद और यशोदा गोरे हैं, लेकिन तुम्हारा शरीर क्यों काला है? माँ ने तुम्हें मोल लिया है।
3) कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है?
कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति इसलिए नाराज़ है कि माँ तुमने केवल मुझे ही मारना सीखा है और भाई पर कभी गुस्सा नहीं करती।
4) यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है?
यशोदा कृष्ण के क्रोध को इस तरह कहकर शांत करती है– हे कृष्ण! सुनो। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो।

इ. चार–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) पद का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

कृष्ण और माता यशोदा की ममता का वर्णन सुंदर ढंग से व्यक्त हुआ है। कृष्ण माँ यशोदा के पास जाकर शिकायत करता है कि माँ! दाऊ मुझे चिढ़ाते हैं। मुझे कहते हैं यशोदा ने तुम्हें जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी क्रोध से मैं खेलने नहीं जाता हूँ। सब ग्वालों से मिलकर चुटकी देकर हँसते हैं माता–पिता गोरे हैं तुम काले शरीर के हो। माँ! तुम तो मुझे मारना सीखी हो दाऊ पर कभी क्रोध नहीं करती हो। इन प्यार भरे शिकायतों से माँ मोहित हो जाती है और कृष्ण को शांत रीति से समझाती है।

~~*~*~*~*~*~*

8. कर्नाटक संपदा

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) पश्चिमी घाट किसे कहते हैं?

कर्नाटक में दक्षिण से उत्तर के चोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं।

2) कर्नाटक में कौन–कौन से जलप्रपात हैं? **उत्तर :**कर्नाटक में जोग अब्बी, गोकाक, शिवन समुद्र आदि जलप्रपात है।

3) श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर की मूर्ति की ऊँचाई कितनी है? **उत्तर :**श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर की मूर्ति की उँचाई 57 फुट है।

4) ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कन्नड के कवियों के नाम बताइए। **उत्तर :** ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कन्नड के कवि हैं कुवेंपु, द.रा.बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ. गोकाक, यू.आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड, चंद्रशेखर कंबार

5) किस नगर को सिलिकान सिटि कहा जाता है? **उत्तर :** बेंगलूर नगर को सिलिकान सिटि कहा जाता है।

6) भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए। **उत्तर :** भद्रावती के दो प्रमुख कारखाने हैं– कागज, लोहे और इस्पात का कारखाना।

7) सेंट फिलोमिना चर्च किस नगर में है? **उत्तर :** सेंट फिलोमिना चर्च मैसूर नगर में है।

8) बिजापुर नगर का प्रमुख आकर्षण स्थान कौन–सा है? **उत्तर :**बिजापुर नगर का प्रमुख आकर्षण स्थान गोलगुंबज है।

9) अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है? **उत्तर :**अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिमी दिशा में है।

10) कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन–सी पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं? **उत्तर :** कर्नाटक की दक्षिण दिशा में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं।

11) भारत का प्रगतिशील राज्य कौन सा है? **उत्तर :** भारत का प्रगतिशील राज्य कर्नाटक है।

12) कर्नाटक की राजधानी कौन–सी है? **उत्तर :** कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु है।

13) कर्नाटक में बोली जानेवाली कौन–सी है? **उत्तर :** कर्नाटक में बोली जानेवाली भाषा कन्नड है।

14) भारत का सर्वोच्च पुरस्कार कौन–सा है? **उत्तर :** भारत का सर्वोच्च पुरस्कार भारत रत्न है।

15) कर्नाटक में विपुल मात्रा में मिलनेवाले पेड़ कौन से हैं? **उत्तर :** कर्नाटक में विपुल मात्रा में मिलनेवाले पेड़ चंदन(श्रीगंध) हैं।

16) कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में होने के कारण किस नाम से पुकारते हैं?

उत्तर : कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में होने के कारण इसे 'चंदन का आगार' कहते हैं।

आ. दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जल प्रपात कौन–कौन से हैं?

कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ –कावेरी, कृष्ण, तुंग–भद्रा, शरावति आदि हैं। और प्रमुख जलप्रपात–गोकाक, अब्बी, जोग और शिवनसमुद्र है।

2) बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग हैं?

बाँध नदियों पर बनाये जाते हैं जिनसे जमीनों को पानी सींची जाती है। जलाशयों की सहायता से ऊर्जा उत्पादन कर सकते हैं।

3) कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए।

कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम है–गंग, कदंब, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होयसल, ओडेयर आदि।

4) बेंगलूरु में कौन–कौन सी बृहत संस्थाएँ हैं?

बेंगलूरु में प्रसिद्ध भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल, एच.एम.टी, आइ.टी.आइ, बी.एच.ई.एल, बी.ई.ए जैसी बृहत संस्थाएँ हैं।

इ. चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर समृद्ध बनाया है। कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है। पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सहयाद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं।

2) कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए।

कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोले, प दकल्लू में जो मंदिर है। शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है। बेलूर हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं वे सजीव लगती हैं। ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत, पुराणों की कहानियाँ सुनाती हैं। ये सुंदर श्रवणबेलगोल में 57 फुट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है। जो दुनिया को त्याग, शांति का संदेश दे रही है।

3) कर्नाटक के साहित्यकारों की कन्नड भाषा तथा संस्कृति को क्या देन है?

वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवि, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं। पंप, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

ई. रिक्त स्थान भरिए :

1) कर्नाटक को **चंदन** का आगार कहते हैं।
2) गोमटेश्वर की प्रतिमा दुनिया को त्याग और **शांति** का संदेश दे रही है।
3) मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है।
4) कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की **कीर्ति** फैलायी है।

~~*~*~*~*~*~*~*~*~*

16 . बाल - शक्ति - [लाघु नाटक] -

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. कौन – कौन कंचे खेल रहे थे ? उत्तर : रामू और श्यामू ' कंचे खेल रहे थे ।

2. खेल में कौन सदा बेईमानी करता है ? उत्तर : खेल में ' रामू ' सदा बेईमानी करता है ।

3. रामू को स्कूल जाने के लिए कौन कहता है ? उत्तर : रामू को स्कूल जाने के लिए ' मोहन ' कहता है ।

4. रामू ने किस विषय का गृह – कार्य नहीं किया था ? उत्तर : रामू ने ' गणित ' विषय का गृह – कार्य नही किया था ।

5. हमें किस उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ? उत्तर : हमें ' छोटी ' उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ।

6. रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी किसने ली ? उत्तर : रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी ' संजय ' ने ली ।

7. टोली का मुखिया कौन बना ? उत्तर : टोली का मुखिया ' मोहन ' था ।

8. बच्चों की तारीफ किसने की ? उत्तर : बच्चों की तारीफ ' कलेक्टर साहब ' ने की ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. रामू में कौन – कौन सी बुरी आदतें थीं ?

रामू बहुत सारी बुरी आदतें थी जैसे खेल में बेईमानी करना, झूठ बोलना, आलसी इसी कारण वह गृह कार्य भी नही करता था ।

2. गाँव की सफाई के लिए बालक क्या काम करते हैं ?

गाँव की सफाई के लिए गाँव की गंदगी दूर करके सफाई करने के लिए बालक हर रोज़ एक घंटा गाँव को स्वच्छ बनाने का निश्चय किए । गाँव को हरा भरा रखने के लिए गाँव के चारों तरफ पेड़ – पौधे लगाने को तय किए ।

3. गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता हैं ?

गाँव को साफ – सुथरा रखने से, गाँव के लोगों को एक नया जीवन प्रदान करने से, गाँव में पेड़–पौधे लगाकर हरा–भरा करने से और विशेष रूप से गाँव में स्वच्छ वतावरण उत्पन्न करने से गाँव को आदर्श गाँव बनाया जा सकता है ।

4. कलेक्टर साहब ने बच्चों की बड़ाई में क्या कहा ?

गाँव को साफ–सुथरा देखकर कलेक्टर बहुत खुश हुए और वे कहते है कि गाँव को इन बच्चों ने एक नया जीवन प्रदान किए है । इन बच्चों की जितनी बड़ाई की जाए उतनी ही कम है । इन सबने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है । बाल–शक्ति के कारण गाँव एक आदर्श गाँव बन गया है । सरकार की तरफ से बाल–शक्ति' टोली को पाँच हज़ार रुपये दिए ।

5. पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन क्या सोचता है ?

पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन सोचता है कि ये रुपये हम प्रधानाध्यापक जी को दे देंगे । स्कूल के पुस्तकालय में गरीब बच्चों के लिए हम पुस्तकों का प्रबंध करेंगे । सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालुक, कोलार जिला

III मिलान कीजिए ।

1. बेईमानी करनेवाला	–	रामू ।
2. टोली का नाम	–	बाल–शक्ति ।
3. इनाम के रुपये	–	पाँच हज़ार ।
4. टोली का मुखिया	–	मोहन ।
5. ये गाँव के सपूत हैं	–	बुजुर्ग ।

~~*~*~*~*~*~*~*+

17. कोशिश सरनेवालों की हार नही होती - सोहनलाल द्विवेदी

I एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. किससे डरकर नौका पार नहीं होती ? उत्तर : लहरों ' से डरकर नौका पार नहीं होती ।

2. किनकी हार नहीं होती है ? उत्तर : कोशिश करनेवालों ' की हार नहीं होती है ।

3. दाना लेकर कौन चलती है ? उत्तर : चींटी ' दाना लेकर चलती है ।

4. चींटी कहाँ चढ़ती है ? उत्तर : चींटी ' दीवार ' पर चढ़ती है ।

5. किसकी मेहनत बेकार नहीं होती ? उत्तर : कोशिश करनेवालों ' की मेहनत बेकार नहीं होती ।

6. सागर में डुबकियाँ कौन लगाता है ? उत्तर : गोताखोर ' सागर में डुबकियाँ लगाता है ।

7. मोती कहाँ मिलता है ? उत्तर : मोती ' सागर के गहरे पानी में मिलता है ।

8. किसकी मुट्ठी खाली नहीं होती ? उत्तर : कोशिश करने वालों की मुट्ठी खाली नहीं होती है ।

9. किसको मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए ? उत्तर : संघर्ष का मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए ।

10.कुछ किये बिना ही क्या नहीं होती है ? उत्तर : कुछ किये बिना ही ' जय जयकार ' नहीं होती है ।

II दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. चींटी के बारे में कवि क्या कहते हैं ?

कवि सोहनलाल द्विवेदी चींटी के बारे में कहते है कि, नन्हीं चींटी दाना ले जाने के समय दीवारों पर सौ बार चढ़कर सौ बार पिसलती है । मन का विश्वास रगों में भरता है । चढ़कर गिरता है और गिरकर चढ़ने के लिए डरता नहीं है । अंत में चींटी का मेहनत बेकार नहीं होती है ।

2. गोताखोर के बारे में कवि के विचार क्या हैं ?

गोताखोर के बारे में कवि कहते है कि, गोताखोर सागर में डुबकियाँ लगातार लगाकर खाली हाथ वापस लौटकर आता है । सहज पानी में मोती नहीं मिलते है, उसके लिए गहरे पानी में जाना पडता है । इससे उसकी उत्साह दुगना बढता रहता है । अंत में उसकी हाथ खाली नहीं रहती है

3. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते है ?

असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि संदेश देते हुए कहते है कि, असफलता एक चुनौती है, हम इसे स्वीकार करना चाहिए । असफलता क्यों हो रही है, इसे पहचानकर गलतियों को सुचारना चाहिए । जब तक हम हमारे काम में सफल नहीं होते तब तक नींद और चैन को त्याग देना चाहिए । संघर्ष का मैदान छोड़कर हम भागना नहीं चाहिए । हम कुछ किये बिना हमारी जय–जयकार नहीं होती है ।

सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालुक, कोलार जिला

III जोड़कर लिखिए ।

अ		आ
1. लहर	–	नौका
2. चींटी	–	दाना
3. गोताखोर	–	डुबकियाँ
4. असफलता	–	चुनौती
5. कमी	–	सुधार

IV भावार्थ लिखिए ।

कवि सोहनलाल द्विवेदी चींटी के बारे में बताते हुए कहते है कि, नन्हीं चींटी दाना ले जाने के समय दीवारों पर सौ बार चढ़कर सौ बार पिसलती है । मन का विश्वास रगों में भरता है । चढ़कर गिरता है और गिरकर चढ़ने के लिए डरता नहीं है । अंत में चींटी का मेहनत बेकार नहीं होती है । कोशिश करनेवालों की कभी भी हार नहीं होती हैं ।

~~*~*~*~*~*~*~*

पूरक वाचन - 01

1. शनि : सबसे सन्दर ग्रह

1. सौर मंडल का सबसे बढ़ा ग्रह कौन- सा है ? उत्तर : सौर मंडल का सबसे बढ़ा ग्रह शनि ग्रह है |
2. सौर मंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है ? उत्तर : सौर मंडल में शनि ग्रह का स्थान दूसरा बढ़ा ग्रह है |
3. पृथ्वी और सूर्या में कितना फासला है ? उत्तर : पृथ्वी और सूर्या में करीब 15 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर है |
4. शनि किसका पुत्र है ? उत्तर : शनि सूर्य का पुत्र है |
5. शनैःचार का क्या अर्थ है ? उत्तर : शनैःचार का अर्थ है धीमी गाती से चलनेवाला |
6. सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को कितना समय लगता है ?

   उत्तर : सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को करीब तीस वर्ष (29.5) लगता है |
7. शनि एक राशि में कितने साल तक रहता है ? उत्तर : शनि एक राशि में करीब ढाई (2,25) साल तक रहता है |
8. बहुत कम सूर्यताप किस ग्रह पर होता है ? उत्तर : बहुत कम सूर्यताप शनि ग्रह पर होता है |
9. शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ? उत्तर : शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन, एमोनिया गैस से हुआ है |
10. सौरमंडल का सबसे बढ़ा उपग्रह कौन - सा है ? उत्तर : सौरमंडल का सबसे बढ़ा उपग्रह गेनीमेड है |
11. प्रकृति ने शनि ग्रह के गले में क्या ढाला है ?

    प्रकृति ने शनि ग्रह के गले में खूब सुन्दर माला ढाला है |

12 शनि ग्रह का तापमा कितना है ?

शनि ग्रह का तापमा शून्य से 180 डिग्री सेल्सियससे कम है | इसीलिए इस ग्रह को ठंडा ग्रह कहा जाता है |

2. सत्य की महिमा - संकलित

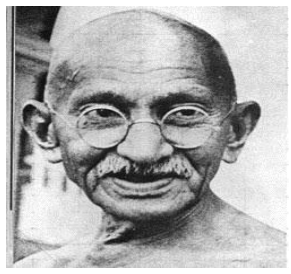

1. सत्य क्या होता है ? उसका रूप कैसा होता है?

   उत्तर : सत्य बहुत भोला - भाला, बहुत ही सीधा-साधा है | जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा,बिना मिर्च लगाए बोल दिया यही तो सत्य है |

2. झूठ का सहारा लेते हैं तो क्या-क्या सहना पड़ता है ?

   उत्तर : झूठ का सहारा लेते है तो एक झूठ साबित करने के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते हैं |

3. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ?

   उत्तर : शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका इस प्रकार है - 'सत्यं ब्रूयात, न ब्रूयात सत्यमप्रियम' अर्थात सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो |

4. संसार में महान व्यक्रियों ने सत्य का सहारा लिया है | - सोदाहरण समझाइए |

   उत्तर : संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है -

   उदाहरण :- रजा हरिश्चन्द्र की सत्यनिष्ठता है | उन्हें सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पडा , लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नही है | राजा दशरथ ने सत्यवचन के लिए अपने प्राण त्याग दिये |

5. झूठ बोलनेवालों की हाल कैसी होती है ?

   उत्तर : झूठ बोलनेवालों की हालत,कभी - कभी झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ अवश्य होता है, पर उसमें अधिक हानि ही होती है | क्षणिक लाभ विकास के मार्ग के लिए बाधा बन जाता है | व्यक्तित्व कुंठित होता है | झूठ बोलनेवालों से लोगों का विशवास उठ जाता है| उसकी उन्नती के द्वार बंद हो जाते हैं |

6. महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कहना है ?

   उत्तर : महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में कथन है - महात्मा गाँधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर किया | उनका कथन है 'सत्य एक विशाल वृक्ष है |' उसका जितना आदार किया जाता है , उतना ही फल उसमें लगते हैं | उसका अंत नही होता |'

7. हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास क्यों करना चाहिए ?

   उत्तर : सत्य एक चिंगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है | अतः हमें हर स्थिति में सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास करना चाहिए |

8. सत्य दृष्ठी का प्रतिबिंब है , ज्ञान की क्या है ?

   उत्तर : सत्य दृष्ठ का प्रतिबिंब है , ज्ञान की प्रतिलिपि है |

9. 'सत्य मेव जयते , नानृतम' का अर्थ क्या है ?

   उत्तर : 'सत्य मेव जयते , नानृतम' का अर्थ है - सत्य की ही विजय होता है, असत्य की नही |

~~*~*~*~*~*~*~*~*

3. नागरिक के कर्तव्य - हरीश नवल

1. मीना मैडम कार्य शिबिर में कौनसा कार्यक्रम आयोजन किए ?

   उत्तर : हिन्दी मीना मैडम ने समुदाय भवन में १५ दिवसीय एक कार्यशिबिर आयोजित किये थे । कविता –वाचन, कविता – रचना, नाटक – प्रदर्शन, संभाषण – कौशल, टेराकोट गुड़िया बनाना, इत्यादि कार्यक्रम यहाँ आयोजित किया गय था । शुक्रवार का विषय था ' नागरिक के मूल कर्तव्य' ।

2. अकुल के इसाब से नागरिक के कर्तव्य क्या है ?

   उत्तर : अकुल कहता है कि एक नागरिक की हैसियत से हमें अपने देश के राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय त्योहार आदि का आदर करना चाहिए ।

3. नागरिक के कर्तव्य के बारे में सलमा का राय क्या है ?

   उत्तर : नागरिक के कर्तव्य के बारे में सलमा कहती है कि, प्रकृति हमारी माता है । इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय करना नही चाहिए । अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना भी हमारा दायित्व है ।

4. नीलिमा का अनुसार नागरिक कर्तव्य क्या है ?

   उत्तर : नीलिमा अनुसार देश के प्रति गौरव का भाव रखना एवं देश की एकता और अखंडता को कायम रखना हमारा कर्तव्य है ।

5. अन्वर नागरिक के कर्तव्य के बारे में क्या कहता है ?

   उत्तर : समस्त देशवासियों के प्रति भाई चारे का भाव रखना और जाति, धर्म, भाषा, प्रदेश, वर्ग पर आधारित सभी भेद – भावों से दूर रहना चाहिए । यह अन्वर के अनुसार नागरिक के कर्तव्य है ।

6. जार्ज के अनुसार नागरिक के कर्तव्य क्या है ?

उत्तर : जार्ज कहता है कि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सुधार की भावना का विकास करना भी नागरिक का कर्तव्य होता है ।

7 स्टेला नागरिक के कर्तव्य के बारे में क्या कहती है ?

उत्तर : स्टेला के अनुसार हर एक नागरिक का कर्तव्य है कि अपनी संस्कृति और गौरवशाली का सम्मान करना चाहिए । संविधान के नियमों का पालन भी करना चाहिए ।

-: कन्नड़ में अनुवाद करें :-

1) गाजर भी पहले ग़रीबों के पेठ भरने की चीज थी | ಗಜ್ಜರಿ / ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಕೂಡ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು.
2) दूकानदार ने कहा - बड़े मजेदार सेब आये हैं | ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದ – ತುಬಾ ಅದ್ಭುತವಾದ ಸೇಬು ಬಂದಿದೆ.
3) एक सेb भी खाने लायक नहीं | ಒಂದೂ ಸೇಬು ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿರಲ್ಲಿ
4) दूकानदार ने मुझसे क्षमा मांगी | ಅಂಗಡಿಯವನು ನ್ನ ಬಳಿ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ
5) कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका |
ಹಲವು ಘಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಬಾಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರು ಹಾಕಲು ಸಾದ್ಯವಾಯಿತು.
6) बड़ी कठिनाई से मैंने उसे थाली के पास बैठाना सिखाया | ತುಂಬಾ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ತಟ್ಟೆಯ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕೂರುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.
7) गिल्लू मेरे पास रखे सुराही पर लेट जता था | ಗಿಲ್ಲೂ ನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ಗಡಿಗೆಯ / ಹೂಜಿ ಮೇಲೆ ಮಲಗುತ್ತಿತ್ತು.
8) दिनभर गिल्लू ने कुछ खाया न वह बाहर गया | ದಿನವಿಡೀ ಗಿಲ್ಲು ಏನೂ ತಿನ್ನಲೂ ಇಲ್ಲ ಹೊರಗೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ
9) उसकी आयू लगभग 12 वर्ष की थी | ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಸುಮಾರು 12 ವರ್ಷ ಇರಬಹುದು
10) सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका | ಮುಂಜಾನೆಯಿಂದ ಇಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಏನೂ ಮಾರಾಟವಾಗಿಲ್ಲ.
11) मै भीख नही लूंगा | ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.
12) बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले गए | ತುಂಬಾ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ಬಸಂತನನ್ನು ಮನೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು.
13) बसंत ओंठ भींचकर आह खींचता है | ಬಸಂತ ತುಟಿ ಕಚ್ಚಿ ಹಿಡಿದು ಅಳು ಸಹಿಸಿಕೊಂಡನು.
14) यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है | ಇವನು ಬಡವನಾದರೂ ಇವನಲ್ಲಿ ಅಲಭ್ಯ ಗುಣವಿದೆ.
15) इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है | ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಆಧುನಿಕ ಜೀವನ ಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಆಂಗವಾಗಿದೆ.
16) इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं | ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೋಂಡೇ ಖರೀದಿಸಬಹುದು.
17) इंटरनेट की साहयता से बेरोजगारी को मीठा सकते हैं | ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗ ಹೋಗಲಾಡಿಸಬಹುದು (ನಿವಾರಿಸಬಹುದು).
18) हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे | ನಾವು ನಿಮಗೆ ಬಂದು–ಹೋಗುವ ಖರ್ಚು ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.
19) स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ | ಸ್ಟೇಷನ್ನಿನಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಅದ್ಧೂರಿ ಸ್ವಾಗತವಾಯಿತು.
20) देखिए, चप्पलें एक जगह नही उतारनी चाहिए | ನೋಡಿ ಚಪ್ಪ;ಇಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಕಡೆ ಬಿಡಬಾರದು.
21) अब मै बचा हूँ | अगर रुका तो मै ही चुरालिया जाऊँगा | ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದಿದ್ದೇನೆ, ಒಂದುವೇಳೆ ಉಳಿದುಕೊಂಡರೆ ನಾನೆ ಕಳುವಾಗುತ್ತೇನೆ/
22) भैस ने दोस्तों को पंजरा दिखाया | ಎಮ್ಮೆಯು ಸ್ನೇಹಿತರಿಗೆ ಪಂಜರ (ಅಸ್ತಿಪಂಜರ) ತೋರಿಸಿತು.
23) सांप ने कहा, 'आगे की बात मै नहीं जानता' | ಹಾವು ಹೇಳಿತು, – 'ಮುಂದಿನದು ನನಗೆ ತಿಳಿದಿಲ್ಲ.
24) हाथी बोला, 'इसमें क्या कठिनाई है' | ಆನೆ ಹೇಳಿತು, – 'ಇದರಲ್ಲಿ ಕಷ್ಟವೇನಿದೆ ?.
25) तालाब में एक बहुत बड़ी मछली तैर रही थी | ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದ ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜುತ್ತತ್ತು.
26) बिछेन्द्री का जन्म एक सादारण परिवार में सुआ था | ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರ ಜನನ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲಲ್ಲಿ ಆಯಿತು.
27) बिछेन्दरी को रोज पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था | ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರು ದಿನ ನಿತ್ಯ ಕಾಲ್ನಡಿಗೆಯಲ್ಲೇ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬಾಕಾಗಿತ್ತು.
28) दक्षिण शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी | ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.
29) हुझे लगा] की सफलता बहुत नज़दीक है | ನನಗನಿಸಿತು ಸಫಲತೆ ತುಂಬಾ ಹತ್ತಿರವಿದೆ.
30) मै एवेरेस्ट की चोटी पर पहुंचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी |

ನಾನು ಎವೆರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಪ್ರಥಮ ಭಾರರೀಯ ಮಹಿಳೆಯಾಗಿದ್ದೆ.

31) कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरू है |
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ, ಹಾಗೂ ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು.

32) कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में हैं | ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಹೇರಳವಾವಿವೆ.

33) जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वास्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है |
ಜಗನ್ಮೋಹನ ಅರಮನೆಯಪುರಾತತ್ವ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯ ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣೀಯವಾಗಿದೆ.

34) वाचनकार बसवण्णा क्रान्तिकारी समाज सुधारक थे | ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.

~~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*

अनुरूपता शब्द

क्र सं		क्र सं	
01	वसीयत : नाटक :: चित्रलेखा : उपन्यास	36	रेलगाड़ी : पटरी :: हवाई जहाज : आसमान
02	शत-शत : द्विरुक्ति :: हरे-भरे : शब्द-युग्म	37	हाथी जंगली जानवर :: भैंस : पालतू जानवार
03	बायें हाथमें : न्याय पताका :: दाहिने हाथ में : ज्ञान दीप	38	मछली : पानी :: सांप : धरती
04	हस्त : हाथ :: पताका : ध्वज	39	मछाली : तैरना :: सांप : रेंगना
05	भगवतीचरण वर्मा का जन्म : 1903 :: भगवतीचरण वर्मा का जन्म : 1981	40	हाथी : सूंड : भैंस : सिंग
06	केला : पीला रंग :: सेब : लाल तंग / गुलाबी रंग	41	आलस : परिश्रम :: लाभ : नष्ट
07	सेब : फल :: गाजर : सब्जी	42	जानो : मानो :: लगा दो : जोड़ दो
08	नागपुर : संतरा :: कश्मीर : सेब	43	धन : निर्धन :: दिया : लिया
09	कपड़ा : नापमा :: तोमोटर : तोलना	44	जीवन : मरण :: खोना : पाना
10	महादेवी वर्मा जी का जन्म : 1907 :: महादेवी वर्मा जी का मरण :1987	45	शेरू को टहलाना : रोबोनिल ::झबरू को टहलाना : रोबोदीप
11	सोनजुही : लता :: गुलाब : पौधा	46	मुखिया : धीरज सक्सेना :: सेवक : साधोराम
12	हँस : सफेद : कौआ : काला	47	टस से मस होना : अटल रहना : फूल न समाना : अत्यंत खुश होना
13	बिल्ली : म्याऊं - म्याऊं : गिल्लू : चिक-चिक	48	पहाड़ : गिरी :: छोटी : शिखर
14	कोयल : मधुर स्वर : कौआ : कर्कशा स्वर	49	कालानाग : पर्वत :: गंगोत्री : ग्लेशियर
15	गिरी : पहाड़ :: वारी : जल	50	कर्नल : खुल्लर :: मेजर : कुमार
16	पवन : वायू :: सिंधु : सागर	51	चाय : गरम :: बर्फ : ठंडा
17	झमीन ; आसमान :: आकाश : पृथ्वी / भूमी	52	बलभद्र : बलराम :: कान्ह : कृष्ण
18	ट्रेन : भूयान :: नौका : जलयान	53	जसोदा : माता :: नंद : पिता
19	नर : आदमी :: उर : ह्रुदय	54	रीझना : मोहित होना :: खिजाना : चिढाना
20	हिंदु : मंदिर :: इस्लाम : मस्जीद	55	बलबीर : बलराम :: जसोदा : जसुमति / यशोधा
21	पं राजकिशोर : किशनगंज :: बसंत : आहीर टीला	56	सी.वी.रामन : नोबेल पुरस्कार :: सर एम् विश्वेश्वरय्या : भारत रत्न
22	पं राजकिशोर : मालिक :: अमरसिंह : नौकर	57	कर्नाटका : चंदन का आगार :: बेंगलूरू : सिलिकॉन सिटी
23	प्रताप : छोटा भाई : वर्मा : डॉक्टर	58	भद्रावती : लोहे और इस्पात :: मैसूरू : राजमहल और आर्ट गैलरी
24	पंडित राजकिशोर : मजदूरों के नेता :: बसंत : गरीब शरणार्थी बालक	59	कावेरी : नदी :: जोग : जलप्रपात
25	प्रश्नार्थक चिन्ह : ? :: भावसूचक / विस्मयादिबोधक चिन्ह : !	60	बेलूरू : शिल्प कला :: बीजापुर(विजयपुर) वास्तुकला (विस्परिंग गैलरी)
26	दया : धर्म का मूल :: अभिमान : पाप का मूल	61	कृष्णदेवराय : शासक : राष्ट्रकूट : राजवंश
27	परिहरि : त्यागना :: करतार : सृष्टिकर्ता	62	पम्पा : प्राचीन कवि :: कंबार : आधुनिक साहित्यकार
28	जीह : जीभ :: देहरी : दहलीज	63	मेहनत : परिश्रम : कोशिश : प्रयत्न / प्रयास
29	कंप्यूटर : संगणक यंत्र :: इंटरनेट : अंतर्जाल	64	चडना : उतरना :: हारना : जीतना
30	IT : इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी :: ITES : इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी इनेबल्ड सर्विसेस	65	स्वीकार : इन्कार :: चैन : आराम / सुख
31	फेसबुक : वरदान :: हैकिंग : अभिशाप	66	सिंधु : समुद्र :: हाथ : हस्त
32	वीडियो कानफरेन्स : विचार विनिमय :: ई- प्रशासन : पारदर्शी प्रशासन	67	दक्षिण से उत्तर के चोर की पर्वतमाला : पश्चिमी घाट :: दक्षिण की पर्वतावालियाँ : नीलगिरी
33	पहला दिन : चप्पलें गायब :: दूसरे दिन : धुप का चश्मा	68	पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष : तेनसिंग नोगें :: पहले एवेरेस्ट पर्वतारोही महिला : बिछेन्दरी पाल
34	तीसरे दिन : कंबल गायब :: चौथे दिन : टाला गायब	69	मैया : माँ :: माहि : मुझे
35	रिक्षा : तीन पहियाँ :: साईकल : दो पहियाँ	70	तुलसीदास : राजापुर :: सूरदास रुनकता

~~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*

संधि

दो अक्षरों के मेल से होनेवाले विकार को “संधि” कहते हैं

संधि के प्रमुस्ख तीन भेद हैं :- 1. स्वर शंधी 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

1. **स्वर संधि :-** दो स्वर आपस में मिलकर होनेवाले संधि को स्वर संधि कहते हैं |

स्वर संधि में 5 भेद हैं :- 1. दीर्घ संधि 2. गुण संधि 3. वृद्दि संधि 4. यण संधि 5. अयादि संधि

1. दीर्घ संधि :- दो सवर्ण स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते हैं | यदि अ, आ, इ, ई, उ, ऊ और ऋ के बाद वे ही स्वर या दीर्घ स्वर आयें तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई, ऊ, और ॠ हो जाते हैं |

क्र सं				क्र सं			
दीर्घ संधि				दीर्घ संधि			
01	समानाधिकार	सामान + अधिकार	अ + अ = आ	07	कवींद्र	कवि + इंद्र	इ + इ = ई
02	धर्मात्मा	धर्म + आत्मा	अ + आ = आ	08	गिरीश	गिरी + ईशा	इ + ई = ई
03	पर्वतावाली	पर्वत + आवली	अ + आ = आ	09	महींद्र	मही + इंद्रा	ई + इ = ई
04	संग्राहलय	संग्रह + आलय	अ + आ = आ	10	रजनीश	रजनी + ईशा	ई+ ई = ई
05	विध्यार्थी	विध्य + अर्थी	अ + अ = आ	11	गिरीश	गिरि + ईशा	इ +ई = ई
06	विध्यालय	विध्या + आलय	अ + आ = आ	12	रवीश	रवि + ईशा	इ + ई = ई
13	लघूत्तर	लघु + उत्तर	उ + उ = ऊ	16	वधूत्सव	वधु + उत्सव	उ + उ = ऊ
14	सिंधूर्जा	सिंधु + ऊर्जा	उ + ऊ = ऊ	17	भूर्जा	भू + ऊर्जा	उ + ऊ = ऊ
15	पित्रुण	पितृ + ॠण	ॠ + = ॠ				

2. **गुण संधि :-** यदि अ या आ के बाद इ या ई , उ या ऊ और ॠ आये तो दोनों मिलकर क्रमशः ए, ओ और आर हो जाते हैं

अ, आ के आगे + इ / ई आने से ए

उ / ऊ आने से ओ

ॠ आने से आर हो जाता है |

क्र सं				क्र सं			
गुण संधि				गुण संधि			
01	गजेन्द्र	गज + इन्द्रर	अ + इ = ए	07	सप्तर्षि	सप्त + ॠषि	अ + ॠ = आर
02	परमेश्वर	परम + ईश्वर	अ + ई = ए	08	महोर्मि	महा + ऊर्मी	अ + ऊ = ओ
03	महेंद्र	महा + इंद्र	अ + इ = ए	09	जलोर्मी	जल + ऊर्मी	अ + ऊ = ओ
04	रमेश	रमा + ईशा	अ + ईन ए	10	महोत्सव	महा + उत्सव	अ + उ = ओ
05	वार्षिकोत्सव	वार्षिक + उत्सव	अ + उ = ओ	11	परोपकार	पर + उपकार	अ +औ = ओ

3. **वृद्दि संधि :-** यदि अ या आ के बाद ए या ऐ आये तो दोनों के स्थान में ऐ तथा अ या आ के बाद ओ या औ आये तो दोनों के स्थान में औ हो जाता है |

अ या आ के बाद + ए या ऐ आने से ऐ और

ओ या औ आने से औ हो जाता है |

क्र सं				क्र सं			
वृद्दि संधि				वृद्दि संधि			
01	एकैक	एक + एक	अ + ए = ऐ	05	वनौषद	वन + औषद	अ + ओ = औ
02	मतैक्य	मत + ऐक्य	अ + ऐ = ऐ	06	महौजस्वी	महा + ओजस्वी	आ + ओ = औ
03	सदैव	सदा + एव	आ + ए = ऐ	07	महौषधि	महा + औषधि	आ + औ = औ
04	महैश्वर्य	महा + ऐश्वर्य	आ + ऐ = ऐ	08	परमौज	परम + ओज	अ + ओ = औ

4. **यण संधि :-** यदि इ, ई, उ, ऊ, और ॠ के बाद कोई भिन्न स्वर आये तो इ-ई का य, उ - ऊ का व् और ॠ का र हो जाता है

इ / ई / उ / ऊ / ॠ के बाद कोई भिन्न स्वर आने से इ / ई के स्थान में 'य'

उ / ऊ के स्थान में 'व्'

ॠ के स्थान में र हो जाता है

क्र सं				क्र सं			
यण संधि				यण संधि			
01	अत्यधिक	अति + अधिक	इ+ अ = य	05	पित्रानुमति	पितृ + अनुमति	ॠ + अ = र
02	इत्यादि	इति + आदि	इ + आ = या	06	पित्राज्ञ	पितृ + आगया	ॠ+ आ = रा
03	प्रत्युपकार	प्रति + उपकार	इ+ उ = यु	07	पित्रुपदेश	पितृ + उपदेश	ॠ + उ = रा
04	मन्वंतर	मनु + अंतर	उ + अं = वं	08	स्वागत	सु + आगत	उ + आ वा

5. <u>अयादि संधि</u>:- यदि ए, ऐ और ओ औ के बाद कोई भिन्न स्वर आये तो 'ए' का अय, 'ऐ' का आय, 'ओ' का अव्, 'औ' का आव् हो जाता है |

'ए' के बाद कोई भिन्न स्वर आने से दोनों स्थान में 'अय'
'ऐ' के बाद कोई भिन्न स्वर आने से दोनों के स्थान में 'आय'
'ओ' के बाद कोई भिन्न स्वर आने से दोनों के स्थान में 'अव'
'औ' के बाद कोई भिन्न स्वर आने से दोनों के स्थान में 'आव' हो जाता है |

क्र सं				क्र सं			
अयादि संधि				अयादि संधि			
01	चयन	चे + अन	ए + अ = अय	05	भवन	भो + अन	ओ + अ = अव
02	नयन	ने + अन	ए + अ = अय	06	पावन	पौ + अन	औ + अ = आव
03	गायक	गै + अक	ऐ + अ = आय	07	नाविक	नौ + इक	औ + इ = आवि
04	नायिका	नै + इका	ऐ + इ = आयि	08			

-:व्यंजन संधि:-

व्यंजन संधि :-व्यंजन के साथ स्वर अथवा व्यंजन के साथ व्यंजन मिलकर होनेवाले विकार को व्यंजन संधि कहते हैं |

व्यंजन + स्वर अथवा व्यंजन + व्यंजन

क्र सं				क्र सं			
व्यंजन संधि				व्यंजन संधि			
01	दिग्गज	दिक् + गज	क् + ग् = ग्गा	09	वाग्जाल	वाक् + जाल	क् + ज् = ग्ज
02	सद्वाणी	सत् + वाणी	त् + व् = द्व	10	तद्दप	तत् + रूप	त् + र् = द्र
03	अजन्त	अच् + अंत	च् + अं = जं	11	जगन्नाथ	जगत् + नाथ	त् + न् = त्न
04	षड्दर्शन	षट् + दर्शन	ट् + द् = ड्द	12	सदाचार	सत् + आचार	त् + आ = दा
05	वाङ्मय	वाक् + माय	व् + म् = ङ्म	13	जन्मोहन	जगत् + मोहन	त् + म् =तमो
06	वागीश	वाक् + ईशा	क् + ई = गी	14	सज्जन	सत् + जन	त् + ज् = ज्ज
07	अजंत	अच् + अंत	च् + अं = जं	15	तद्रूप	तत् + रूप	त् + र् = द्रू
08				16			

3. **विसर्ग संधि** :- स्वरों अथवा व्यंजन के साथ विसर्ग (:) के मेल से विसर्ग मे जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं |

(स्वर अथवा व्यंजन के साथ विसर्ग (:) मिलकर होनेवालें संधि को विसर्ग संधि कहते हैं |)

क्र सं				क्र सं			
व्यंजन संधि				व्यंजन संधि			
01	निश्चय	नि: + चाय	: + च्	05	दुर्गंध	दु: + गंध	: + ग्
02	निश्चिंत	नि: + चिंत	: + च्	06	मनोरथ	मन: + रथ	: + र्
03	निष्कपट	नि: + कपट	: + क्	07	पुरोहित	पुर: + हित	: + ह्
04	नीरस	नि: + रस	: + र्	08			

~

समास

दो स्वतंत्र शब्दों के मेल को समास कहते हैं |

समास में दो स्वतंत्र शब्दों का योग होता है | कम से कम शब्दों के प्रयोग से अधिक से अधिक अर्थ बताने की संक्षिप्त विधि को समास कहते है | दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनानेवाला शब्द समस्त पद कहलाता है | समास के विभिन्न पदों को अलग - अलग करने की प्रक्रिया को समास - विग्रह कहते हैं |

समास के छः प्रकार के होते हैं :- 1. अव्ययीभाव समास 2. कर्मधारय समास 3. तत्पुरुष समास
4. द्विगु समास 5. द्वंद्व समास 6. बहुर्वीही समास

1. अव्ययीभाव समास :-

इस समास में पहला पद प्रधान होता है |

अव्ययीभाव समास में फ्पहला पद अव्यय होता है और उसके समस्त पद भी अव्यय बन जाता है |

क्र सं	विग्रह	सामासिक शब्द	पहला पद	क्र सं	विग्रह	सामासिक शब्द	पहला पद
01	जन्म से लेकर	आजन्म	आ	04	जैसा संभव हो	यथा संभव	यथा
02	खटक के बिना	बेखटक	बे	05	बिना जाने	अनजाने	अन
03	पेट भर	भरपेट	भर	06	होश जिसमे न हो	बेहोश	बे

2. कर्मधारय समास :-

कर्मधारय समास में उत्तर पद प्रधान होता है |

इस समास में विशेषण - विशेष्य (एक शब्द विशेषण, दूसरा विशेष्य) होता है | अथवा उपमेय - उपमान का संबंध होता है |

पहला पद	दूसरा पद	समस्त पद	विग्रह	पहला पद	दूसरा पद	समस्त पद	विग्रह
पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य				पहला पद उपमान तथा दूसरा पद विशेष्य			
सत्	धर्म	सद्धर्म / सद्धधर्म	सत् है जो धर्म	कनक	लता	कनकलता	कनक के सामान लता
पीत्	अंबर	पीतांबर	पीला है जो अंबर	चंद्र	मुख	चंद्रमुख	चंद्र के सामान मुख
नील	कंठ	नीलकंठ	नीला है जो कंठ	पहला पद उपमेय तथा दूसरा पद उपमान			
				मुख	चंद	मुखचंद्र	चंद्रमा रुपी मुख
				कर	कमल	करकमल	कमल रुपी कर

3. तत्पुरुष समास :-

तत्पुरुष समास में दूसरा पद प्रधान होता है |

इस समास में दोनों शब्दों के बीच आनेवाले परसर्गों (को, के, द्वारा, के लिए, से, का, की, के, में, पर) का लोप होजाता है|

जैसे:- जन्म की शती - जन्मशती (यहाँ परसर्ग 'की' का लोप होगया है| और समस्त पद बना है - "जन्मशती" |

उदाहरण :- क) कर्म तत्पुरुष - कर्ता कारक की विभक्ति 'को' का लोप होता है |

स्वर्ग को प्राप्त - स्वर्गप्राप्ति
ग्रंथ को लिखनेवाला - ग्रन्थकार
गगन को चूमने वाला गगन चुम्बी
चिड़िया को मारनेवाला चिढ़ीयामार
परलोक को गमन परलोकागमन

ख) करण तत्पुरुष _ करण कारक की विभक्ति 'से', 'के द्वारा, का लोप होता है |

अकाल से पीड़ित - अकालपीडित
सूर के द्वारा कृत - सूरकृत
शक्ति से संपन्न - शक्तिसंपन्न
रेखा के द्वारा अंकित - रेखांकित
आश्रु से पूर्ण - अश्रुपूर्ण

ग) संप्रदान तत्पुरुष _ संप्रदान कारक की विभ्बक्ति 'के लिए' का लोप होता है |

सत के लिए आग्रह - सत्याग्रह
राह के लिए खर्च - राहखर्च
सभा के लिए भवन - सभाभवन
देश के लिए भक्ति - देशभक्ति
देश के लिए प्रेम - देशप्रेम
गुरु के लिए दक्षिणा - गुरुदाक्षिणा

घ) अपादान तत्पुरुष - अपादान कारक की विभक्ति 'से' का लोप होता है |

धन से हींन - धनहीन
जन्म से अँधा - जन्मांध
पथ से भ्रष्ट - पथभ्रष्ट
बंधन से मुक्त - बंधनमुक्त
धर्म से विमुख - धर्मविमुख

च) संबंध तत्पुरुष - संबंध कारक की विभक्ति 'का, की, के,' का लोप होता है |

प्रेम का सागर - प्रेमसागर
भू का दान - भूदान

देश का वासी	-	देशवासी
राजा की सभा	-	राजसभा
जल की धरा	-	जलधारा
राजा का पुत्र	-	राजपुत्र

छ) अधिकरण तत्पुरुष - अधिकरण कारक की विभक्ति 'में' 'पर' का लोप होता है |

आप पर बीती	-	आपत्ती
कार्य में कुशल	-	कार्यकुशल
दान में वीर	-	दानवीर
शरण में आगत	-	शरणागत
नर से श्रेष्ट	-	नरश्रेष्ठ

4. द्विगु समास :-

इस समास में पहला पद संख्यावाचक होता है | यह समस्त शब्द समूहवाची भी होता है |

सात सौ का समूह	-	सतसई
तीन ध्गारायें	-	त्रिधारा
पाच वातों का समूह	-	पंचवटी
तीन वेणियों का समूह	-	त्रिवेणी
सौ वर्षों का	-	शताब्दी
चार राष्ट्रों का समूह	-	चौराष्ट्र
बारह साँसों का समूह	-	बारामास

5. द्वंद्व समास:-

जिस समास में दोनों पद प्रधान होते है, कोई गौण पद नही होता , उसे द्वंद्व समास कहते हैं | (इस में दो शब्दों को मिलानेवाले समुच्छाय बोधकोण का (और, तथा, या, अथवा एवं) का प्रयोग होता है |

सीता और राम	-	राम-सीता
पाप अथवा पूण्य	-	पाप-पुण्य
सुबह और शाम	-	सुबह- शाम
सुख य दुःख	-	सुख - दुःख
दाल और रोटि	-	दाल- रोटी
इधर और उधर	-	इधर-उधर
दो और चार	-	दोचार
भला या बुरा	-	भला - पूरा

6. बहुर्वीही समास :-

बहुर्वीही समास में समस्तपद में कोई भी पद प्रधान न होकर अन्य कोई पद प्रधान होता है |

इस समास में विग्रह करने पर अंत में **जिसका, जिसके, जिसकी, वाला, वाले,** आते हैं |

उदहारण :

घन के सामन स्याम है जो	(कृष्ण)	-	घनश्याम
श्वेत अंबर (वस्त्र) वाली	(सरस्वती)	-	श्वेतांबरी
लम्बा है उदारजिसका	(गणेश)	-	लंबोदर
चक्रम है पाणी (हाथ) में जिसके	(विष्णु)	-	चक्रपानी
तीन है नेत्र जिसके	(शिव)	-	त्रिनेत्र
दस है आनन् जिसके	(रावण)	-	दशानन
नील है कंठ जिसके	(शिव)	-	नीलकंठ
नीले रंगवाला परदा	(परदा)	-	नीला परदा
टूटे है पैर जिसके	(लंगड़ा)	-	टूटे पैर

~

पर्यायवाची शब्द (समानार्थक शब्द)

क्र.सं	शब्द	समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द)	क्र.सं	शब्द	समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द)
01	उपचार	चिकित्सा, इलाज	17	शाम	सांझ, संध्या
02	गात	शरीर, देह	18	दोस्त	मित्र

03	आहार	भोजन , खाना	19	पहाड़	गिरि, पर्वत, अद्रि
04	विस्मय	अचरज, आश्चर्य	20	चोटी	शिखर
05	हिम्मत	साहस, धैर्य	21	सुबह	प्रभात, सबेरे
06	दुनिया	जगत, संसार, विश्व	22	महिला	औरत, स्त्री
07	विचित्र	अजीब	23	नज़दीक	पास, निकट, समीप
08	खोज	तलाश, ढूंड शोध	24	सागर	समुद्र
09	नवीन	नया , आधुनिक	25	आकाश	आसमान, गगन
10	नर	मनुष्य, मानव , आदनी	26	मैया	माँ, माता
11	वारि	जल, पानी	27	मोही	मुझे
12	कर	हाथ, हस्त	28	मोसो	मुझसे
13	आगार	घर, मकान, गृह, भवन	29	रिस	क्रोध
14	बुनियाद	नींव,	30	सरीर	शरीर
15	सीखै	सिखाना	31	जसुमति	यशोधा
16	धूत	दुष्ट	32	पूत	पुत्र

~~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*

-: अन्य वशन शब्द :-

क्र.सं	एक वचन	बहु वचन	क्र.सं	एक वचन	बहु वचन
01	चीज़	चीज़ें	19	गमला	गमलें
02	रास्ता	रास्तें	20	घोंसला	घोंसलें
03	फल	फल	21	पैसा	पैसे
04	घर	घर	22	परदा	परदे
05	रूपया	रूपए	23	कमरा	कमरे
06	आँख	आँखें	24	दायरा	दायरें
07	कर्मचारी	कर्मचारी	25	युग	युग
08	व्यापारी	व्यापारी	26	कंप्यूटर	कंप्यूटर
09	रेवाड़ी	रेवड़ियां	27	रिश्तेदार	रिश्तेदार
10	दुकान	दुकान	28	जिंदगी	जिंदगी
11	उंगली	उंगलियाँ	29	जानकारी	जानकारियाँ
12	पूंछ	पूँछें	30	चिट्टी	चिट्टियां
13	खिड़की	खिड़कियाँ	31	जीवनशैली	जीवनशैलियाँ
14	पंजा	पंजें	32	कपड़ा	कपडे
15	लिफाफा	लिफार्फे	33	चादर	चादर
16	कौआ	कौएं	34	बात	बात
17	गुफा	गुफाएं	35	पत्ती	पत्तियाँ
18	पट्टी	पट्टियाँ	36	मछाली	मछलियां

~~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*

-:काल :-

काल :-

क्रिया के जिस रूप से उसके हने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते हैं |

जैसे:-

1. माँ ने अपने बेटे को उपदेश **दिया था |**
2. रजत स्कूल **जाता है |**
3. मोहन गाना **गाएगा |**

काल में तीन प्रकार हैं :- 1. भूतकाल 2. वर्तमाना काल 3. भविष्यत् काल

1. भूतकाल :-

BGM GJC KOPPA

क्रिया के जिस रूप से यह जाना जाए कि काम बीते समय में हो चुका था या हो रहा था, उसे भूतकाल कहते हैं |

भूतकाल में छः (6) भेद हैं :- **अ) सामान्य भूतकाल** **आ) आसन्न भूतकाल** **इ) पूर्ण भूतकाल**
ई) अपूर्ण भूतकाल **उ) संदिघ्द भूतकाल** **ऊ) हेतु - हेतु मद भूतकाल**

अ) सामान्य भूतकाल:-

क्रिया के जिस रूप से कार्य का भूतकाल में सामान्य रूप में होने का संकेत मिलता है, अर्थात किसी विशेष समय का निश्चय नहीं होता, उसे सामान्य भूतकाल कहते हैं |

जैसे:- 1) सोनू और मोनू ने मिठाई खाई | 2) रामू ने किताब पढी |

आ) आसन्न भूतकाल :-

क्रिया के जिस रूप से काम के अभी - अभी था निकट में समाप्त होने का बोध हो, उसे आसन्न भूतकाल कहते है |

जैसे:- 1) हलवाई ने जलेबी बनाई है | 2) माताजी अभी बाझार गई है |

इ) पूर्ण भूतकाल :-

भूतकाल की जिस क्रिया से यह सूचित होता है कि कोई काम भूतकाल में बहुत पहले से समाप्त होचुकाथा , वह पूर्ण भूतकाल कहलाता है |

जैसे :- 1) किरण खाना खा चुका था, 2) ड्राईवर गाड़ी लेकर जा जुका था |

ई) अपूर्ण भूतकाल :-

क्रिया के जिस रूप से यह विदित हो कि कार्य भूतकाल में आरंभ हो चुका था, किंतु अभी पूर्ण नही हुआ, उसे अपूर्ण भूतकाल कहे हैं |

जैसे :- 1) राहुल खेल रहा था | 2) रोहित गीत गा रहा था |

उ) संदिघ्द भूतकाल :-

क्रिया के जिस रूप से कार्य का भूतकाल में करने अथवा पूरा होने पर संदेह प्रतीत हो, वह संदिघ्द भूतकाल कहलाता है |

जैसे :- 1) सुशीला खाना **बना चुकी होगी |** 2) प्रशांत खेल **चुका होगा |**

ऊ) हेतु - हेतु मद भूतकाल :-

जहां क्रिया से यह जाना जा सके कि कार्य भूतकाल में हो सकता तथा, परन्तु किसी अन्य कार्य के ण हो सकने के कारण नही हो सका, वहां हेतु-हेतु मद भूतकाल होता है |

जैसे :- 1) कपिल पढ़ता तो पास हो जाता है | 2) वर्षा होती तो अच्छी फसल हो जाती |

2) वर्तमानकाल :-

क्रिया के जिस रूप से उसका वर्तमान (चल रहे) समय में होने का पता चलता है, उसे वर्तमानकाल कहते हैं |

जैसे :- 1) पिताजी अखबार पढ रहे हैं | 2) चिड़िया उड रही है | 3) वह घर जाता है | 4) गायें घास चरती हैं |
5) कपिल खिलौने से खेल रहा है | 6) अध्यापक महोदय आते होंगे | 4) तुम्हारे पिताजी घर पहुंचते होंगे |

वर्तमानकाल के तीन भेद मने जाते हैं :- 1) सामान्य वर्तमानकाल 2) अपूर्ण वर्तमानकाल 3) संदिग्ध वर्तमानकाल

3) भविष्यत्काल :-

क्रिया के जिस रूप से यस पता चले के कार्य अभी होना बाकी है, अर्थात आगे आनेवाले समय में होगा, उसे भविष्यत् काल कहते हैं |

जैसे :- मै भी कल से विद्यालय जाऊँगा | 2) 25 दिसंबर को विद्यालय बंद रहेगा | 3) सुरेश आम खायेगा |
4) माली पौधों को पानी देगा | 5) शायद बारिश हो जाए | 6) शायद अमित कल आ जाए |

भविष्यतकाल के केवल दो भेद माने गए हैं :- 1) सामान्य भविष्यत काल 2) संभाव्य भविष्यत्काल

~

-:अन्य लिंग शब्द :-

क्र.सं	पुल्लिंग शब्द	स्त्रीलिंग शब्द	क्र.सं	पुल्लिंग शब्द	स्त्रीलिंग शब्द
01	लेखक	लेखिका	19	मोर	मोरनी
02	श्रीमान	श्रीमती	20	छात्र	छात्रा
03	मयूर	मयूरी	21	आचार्य	आचार्या
04	कुत्ता	कुतिया	22	नर	नारी, मादा
05	लड़का	लड़की	23	नाना	नानी
06	बच्चा	बच्ची	24	बेटा	बेटी
07	दुबला	दुबली	25	सुनार	सुनारिन
08	पतला	पतली	26	नाई	नाइन
09	थैला	थैली	27	ठाकुर	थाकुराइन
10	साहब	साहिबा	28	हलवाई	हलवाइन
11	भाई	बहन	29	बालक	बालिका
12	पिता	माता	30	सेवक	सेविका
13	डाक्टर	डाकटराईन	31	सेठ	सेठानी
14	पंडित	पंडिताइन	32	नौकर	नौकराइन
15	आदमी	औरत	33	भाग्यवान	भाग्यवती
16	हाथी	हाथिनी	34	स्वामी	स्वामिनी

17	भैंस	भैंसा	35	दाता	दात्री
18	शेर	शेरनी	36	विधाता	विधात्री

~

-:अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (एकल शब्द) :-

एक वाक्य या वाक्यांश के शतान पर उपयुक्त शब्द लिखा जा सकता है | ये संक्षिप्त शब्द संपूर्ण वाक्य या वाक्यांश को अपने में समेटे रहते है |

01	जो दूसरों की भलाई करता हो	परोपकारी
02	जो हर समय हंसता रहता हो	हंसमुख
03	जो सबसे प्रसन्नपूर्वक मिलता-जुलता हो	मिलनसार
04	जो ईश्वर में विशवास करता हो	आस्तिक
05	जो सब कुछ जानता हो	सर्वज्ञ
06	जो गीत गाता ह्यो	गायक
07	जिसकी कल्पना की जा सके	काल्पनिक
08	सभी जगह में	सर्वत्र
09	आसन पर बैठा हुआ	आसीन
10	बचा हुआ	शेष
11	मनु का संतान	मनुष्य
12	उपन्यास लिखनेवाला	उपन्यासकार
13	कपडे धोनेवाला	धोभी
14	बहुत बोलनेवाला	बाचाल
15	विशेष ज्ञान	विज्ञान
16	अधिक विध्या प्राप्त	विद्वान
17	लकड़ी का काम करनेवाला	बढाई
18	मिट्टी की बर्तन एवं खिलौने बनानेवाला	कुम्हार
19	जो लोहा या इस्पात से विभिन्न वस्तुएं बनानेवाला	लुहार
20	स्वर्ण धातु से आभूषण बनानेवाला	सुनार
21	कपड़ा बुननेवाला	जुलाह
22	कविता लिखनेवाला	कवि
23	निबंध लिखनेवाला	निबंधकार
24	लेख लिखनेवाला	लेखक
25	कहानी लिखनेवाला	कहानीकार
26	शाकिर करनेवाला	शाकिर
27	सबजी बेचनेवाला	कुंजड़ा
28	जहां पहुंचा न जा सके	दुर्गम

-:मुहावरे :-

क्र सं	मुहावरे	अर्थ
01	पौ फटना	प्रभात होना
02	काम आना	काम में आना, इस्तेमाल होना
03	आँख चुराना	अपने आप को छिपाना
04	अकाल का अँधा	मूर्ख
05	आँख दिखाना	धमकाना, डराना
06	आस्तीन का सांप	कपटी मित्र
07	कान भरना	चुगली करना
08	अंगूठा दिखाना	देने से स्पष्ट इनकार करना
09	आग बबूला होना	क्रोधित होना
10	अंगारे उगलना	क्रोध से कठोर वचन बोलना
11	अपना उल्लू सीधा करना	काम निकालना / स्वार्थ पूरा करना
12	आसमान सिर पर उठाना	शोर करना
13	खून पसीना एक करना	बहुत मेहनत करना
14	छक्के छुडाना	बुरी तरह हारना
15	दाल न गलाना	सफल न होना
16	नौ दो ग्यारह होना	गायब होना / भाग जान आ
17	आँख खुलना	जागृत होना
18	ईद का चाँद होना	बहुत दिनों के बाद दिखाई देने
19	हवा से बातें करना	बहुत तेज चलना या दौड़ना
20	कान खड़े होना	होशियार होना
21	बात का धनी	वचन का पक्का होना / पालन करन
22	पेट पर लात मारना	नौकरी या सहूलियत छीनना
23	टस से मस न होना	विचलित न होना
24	फूल नही समाना	बहुत खुश होना
25	आंच आना	आश्चर्यचकित होना
26	हलचल मचाना	शोर करना
27	हाथों के तोते उड़ाना	हानी पहुंचाना
28	गुसा हवा हो जाना	क्रोध जाता रहना

~

-:कहावतें :-

क्र सं	कहावते	अर्थ
01	जो गरजते हैं वे बरसते नहीं	अधिक शोर मचानेवाला काम कं करते हैं
02	अधजल गगरी छलकत जाय	कं गुणोंवाला अधिक दिखावा करता है
03	आम के आम गुटलियों के दाम	दुगुना लाभ
04	खोटा पहाड़ निकली चिड़िया	बहुत प्रयत्न करने पर कं पाना
05	चिराग तले अँधेरा	अपनी बुराइयां ना दिखाई देना
06	चोर की दाढी में तिनका	अपराधी स्वयं भयभीत रहता है
07	डूबते को तिनके का सहारा	मुसीबत के समय थोड़ी भी सहायता बहुत होती है
08	हाथी के दांत दिखाने की और खाने की और	सामने कुछ और पीछे कुछ और

~

-:प्रेरणार्थक क्रिया:-

कर्ता स्वयं कार्य न करके, किसी दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है , उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते है । प्रेरणार्थक क्रिया के दो रूप मिलते है ।

जैसे – 1. प्रथम प्रेरणार्थक रूप । 2. द्वितीय प्रेरणार्थक रूप ।

उदा :– रावण काम करता है । (क्रिया) रावण काम कराता है । (प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया) रावण काम करवाता है । (द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया)

क्र सं	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
01	हँसना	हँसाना	हँसवाना
02	उड़ना	उड़ाना	उड़वाना
03	पढ़ना	पढ़ाना	पढ़वाना
04	उठना	उठाना	उठवाना
05	करना	कराना	करवाना
06	चलना	चलाना	चलवाना
07	लिखना	लिखाना	लिखवाना
08	दौड़ना	दौड़ाना	दौड़वाना
09	ओढ़ना	ओढ़ाना	ओढ़वाना
10	जागना	जगाना	जगवाना
11	जीतना	जिताना	जितवाना
12	बैठना	बिठाना	बिठवाना
13	मरना	मराना	मरवाना
14	भेजना	भिजाना	भिजवाना
15	खेलना	खिलाना	खिलवाना
16	खाना	खिलाना	खिलवाना
17	देना	दिलाना	दिलवाना
18	देखना	दिखाना	दिखवाना
19	छेड़ना	छिड़ाना	छिड़वाना
20	गिरना	गिराना	गिरवाना
21	समझना	समझाना	समझवाना
22	पकड़ना	पकड़ाना	पकड़वाना
23	चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
24	निकलना	निकलाना	निकलवाना
25	मिलना	मिलाना	मिलवाना
26	ठहरना	ठहराना	ठहरवाना
27	लौटना	लौटाना	लौटवाना
28	उतरना	उतराना	उतरवाना
29	पहनना	पहनाना	पहनवाना
30	चढ़ना	चढ़ाना	चढ़वाना
31	सुनना	सुनाना	सुनवाना
32	डरना	डराना	डरवाना
33	मिठना	मिठाना	मिठवाना
34	झरना	झराना	झरवाना
35	बुझना	बुझाना	बुझवाना
36	रोना	रुलाना	रुलवाना
37	सोना	सुलाना	सुलवाना
38	धोना	धुलाना	धुलवाना
39	पीना	पिलाना	पिलवाना
40	सीना	सिलाना	सिलवान
41	खोलना	खुलाना	खुलवाना

~

-:छुट्टीपत्र :-

कोई कारण बताते हुए दो दिन की छुट्टी की मंजूरी के लिए पत्र लिखिए :-

प्रेषक : अ.ब.क दिनांक: 24-01-2015

R.G.A.G.I.C. KOPPA

दसवीं कक्षा
स. प. पू. कॉलेज, "प्रौढ शाला विभाग"
कोप्पा.

सेवा में,
प्रधानाध्यापकजी
स. प. पू. कॉलेज, "प्रौढ शाला विभाग"
कोप्पा.

महोदय जी,

विषय : दो दिन की छुट्टी के लिए विनती।

आपसे निवेदन है कि कल रात से मुझे बुखार आया है। डॉक्टर ने दो दिन आराम करने के लिए सलाह दी है। इसलिए मैं पाठशाला नहीं आ पाऊँगा। ताकी दिनांक :24-01-2015 और 25-01-2015 तक दो दिन छुट्टी चाहिए । कृपया दो दिन की छुट्टी मंजूर कीजिए।

आपकी आज्ञाकारी छात्रा
अ.ब.क
दसवीं कक्षा

-:पढाई की प्रगति के बारे में बताते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए :-

बैंगलूरु
दिनांक: 24-01-2015

पूज्य पिताजी,
सादर प्रणाम।

यहाँ पर मैं सकुशल हूँ। मुझे आशा है कि आप भी वहाँ पर सकुशल हैं। आपका पत्र पढ़कर मुझे कुछ कर दिखाने का मन हुआ है। पाठशाला में शिक्षक परीक्षा केलिए खूब तैयारी करा चुके हैं। मै भी शिक्षकों के मार्गदर्शन के अनुसार पढ़ाई कर रही हूँ। आपको यह बताने के लिए मुझे बहुत खुशी होती है कि चौथी रचनात्मक परीक्षा में मैं अव्वल दर्जे में उत्तीर्ण हूँ। वार्षिक परीक्षा में भी आधिकाधिक अंक पाने के लिए खूब तैयारी कर रही हूँ। माताजी को मेरे प्यार भरे प्रणाम कहना। छोटी बहन को मेरी यादें दिलाना।

आपकी प्रिय पुत्री
अ.ब.क

सेवा में,
अशोक कुमार बी.जी
#7184 श्री निलय कुवेम्पु नगर
मैसूर -06

शैक्षिक सैर जाने के किए 1000 रुपिये माँगते हुए अपने पिताजी के नाम एक पत्र लिखिए।

तुमकूरु
दिनांक: 24-12-2014

पूज्य पिताजी,
सादर प्रणाम।

यहाँ मैं कुशल हूँ। मुझे आशा है कि आप भी वहाँ सकुशल हैं। मै शिक्षकों के मार्गदर्शन के अनुसार पढ़कर तीसरी रचनात्मक परीक्षा में मैं अव्वल दर्जे में उत्तीर्ण हूँ। जनवरी माह में हमारी पाठशाला से शृंगेरी, होरनाडू, कलसा, धर्मस्थल, बेलूर और हलेबीडू आदि स्थानों के लिए शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया है। मेरे सभी मित्र सैर जा रहे हैं। मैं भी सैर जाना चाहती हूँ। इसलिए मुझे शीघ्र 1000 रुपये भेज दीजिए। माताजी को मेरे प्यार भरे प्रणाम कहना। छोटी बहन को मेरी यादें दिलाना।

आपकी प्रिय पुत्री
अमुल्या

सेवा में,

थिम्मोजी राव बी.जी
#A/2 पोस्टल क्वाट्रस
के.बी संद्र बेंगलुरु- 28

~

-:निबंध:-

01 - इंटरनेट–क्रांति

प्रस्तावना:– आज का युग इंटरनेट युग है। बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इंटरनेट–क्रांति का असर पडा है। इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

लाभ:- इंटरनेट द्वारा पल भर में, वीडियो चित्र **स्थिर चित्र ,शब्द संदेश** हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना **या मंगवाना** मुमकिन हो गया है। इसके द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। काल्पनिक सभागार में एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8–10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं। आई, टी, और आई,टी,ई,एस संस्थाओं से रोजगार मिल रहें हैं। फेसबुक, आरकुट, ट्विटर, लिंकडाइन आदि सोशियल नेटवर्क से समाज पर क्रांतिकारी प्रभाव पड़ा है। आज सरकारी काम–काजों में पारदर्शकता लाने के लिए ई–गवर्नेंस का उपयोग हो रहा है।

अभिशाप:– इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है। इसकी वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग आदि बढ़ रही है। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी फँस गये हैं और वक्त का दुरुपयोग हो रहा है।

उपसंहार:–वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव –जीवन को सुविधाजनक बनाया है। इसे मनुष्य अपने रुची के अनुसार उपयोग कर सकता है।

02 - नारी तुम केवल श्रद्दा हो

भारतीय शास्त्रों में नारी के बारे में इस प्रकार कहा गया है कि -

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः'

इस कथन का अर्थ है - जहां नारी को पूजा की जाती है , गौरव दी जाती है, श्रद्दा की दृष्ठी से देखा जाता है वहां देव गण रहते हैं |

भारत में नारी का स्थान पूजनीय है | सारे संसार में नारियों को श्रद्दा , भक्ति से देखा जाता है | आज नारी पुरुषों के जीवन में माता के रूप में , बहन के रूप में धारण होती है |

भारत देश में हर जगह पर बहनेवाली पवित्र नदियों के नाम स्त्रीयों के नाम से पुकारा जाते हैं |

जैसे : कावेरी , गोदावरी , नर्मदा , हेमावती , गंगा , यमुना, सरस्वती आदि |

आज के दिन राष्ट्र की ओर स्त्री का नाम पर अनेक योजनायें हो रही हैं देश तथा राज्य में सरकारों द्सवीं कक्षा तक उचित शिक्षा और अन्य सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं |

03 - जनसंख्या की समस्या

तात्पर्य : जनसंख्या की समस्या सामान्य रूप से विश्व की समस्या है | तीन सेकेंड में दो बच्चे जन्म ले रहे हैं |

जनसंख्या वृद्दि के कारण : विज्ञान की उन्नति के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सुविधावों में उन्नति हुई है | फलतः जन्म लेने वाले शिशुओं की मृत्यु दर में कमी हुई है , तथा औसत आयु में वृद्दि हुई है, यानी आजकल एक भारतवाक्सी पीला की अपेक्षा अधिक समय तक जीवित रहता है प्राचीन मान्यताओं के अनुसार बच्चे भगवान की दें है| अतएव परिवार नियोजन जैसे उपायों को सामान्यतः अच्छी नज़र से देखा जाता है | यह भी दृष्ठीकोण है कि अधिक बच्चे होने से काम करने के लिए तथा परिवार की रक्षा करने के लिए अधिक हाथ उपलब्द होते हैं | जनसंख्या वृद्दि को रोकने में सबसे अधिओक बाधक तत्व है - अशिक्षा , अंधविश्वास तथा रूढ़िवादिता | इसके अतिरिक्त भारतीय लोग संतान कोई ईश्वरीय दें समझते है तथा संतान को भाग्य के साथ जोड़ देते हैं|

नियनत्रण : हम सबका यह कर्तव्य है कि इस समस्या के निवारण में पूरा योगदान दे |

हमारी सरकार तथा सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि सभाओं गोष्ठीयों , समाचार- माध्यामोंज, संचार माध्यमों एवं रेडियों , दूरदर्शन द्वारा छोटे परिवारों से होनेवाले फायदों का प्रचार - प्रसार करें| कहने का तात्पर्य यह है कि परिवार को सीमित रखने की मानसिकता जी प्रचार हर स्टार पर किया जाए जिससे जनसंख्या नियंत्रण को जीवन का एक आवश्यक अंग मान लिया जाए |

उपसंहार : हमारे देश के किसानों में जनसंख्या की वृद्दि एक बड़ी बाधा है | यातायात ,शिक्षा , रोंजगार आदि विविध क्षेत्रों में जनसंख्या की वृद्दि सि दर्द बन गई है | देश का प्रत्येक नागरिक ०स समस्या का हल करने में सहायक हो |

04 - वनमहोत्सव

अर्थ : आदिकाल से मनुष्य प्रकृति की गोद में पला , बड़ा हुआ है | प्रकृति की अपार संपदा मानव जीवन के लिए बहुत आवश्यक है | मानव का जीवन वनों पर आश्रित है | मानव को वनों से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से लाभ है | वन हमारी आर्थिक संपदा के स्रोत है | वनों से हमें कच्चा माल प्राप्त होता है ,वनों से अधिक मात्रा में इमारती लकड़ी , वार्निश , रबड़ , आदि मिलता है | विभिन्न जड़ी-बूटियाँ. सुगन्धित पदार्थ बनाने के साधन और कागज का सामान सभी वनों से ही मिलाती है |

BGHS G.C. KOPPA

महत्व : प्राकृतिक सौंधर्य और पर्यावरण का आधार वन ही है | वन वर्षा में सहायक हिते है तथा वयु को शुद्दा करते हैं | वेदों में प्रकृति की आराधना की गई है | आज तक हमारे देश में बरगद , नीम केला , पीपल जैसे अनेक वृक्षों पूजा की जाती है | पृथ्वी को हरा -भरा सुन्दर आकर्षक बनाने में वृक्षों का बड़ा योगदान है |

संरक्षण : सभ्यता के विकास के साथ - साथ वनों की कटाई अचिक होती जारही है | जनसंख्या दृद्दी के कारण भी वनों का नाश होता जारहा है | वृक्षों की उपयोगिता के बारे में वैज्ञानिकों के सुझाव लेकर, अधिक वृक्ष लगाये जा रहे है | उनके अनुसार भारत के कुलभू-भाग का एक तिहाई भाग वन होना चाहिए | सं 1950 में प्रसिद्द स्वतंत्रता सेनानी और साहित्यकार कन्हैयलाल माणिकलाल ने एक वन नीति की घोषणा की | हममें वर्तमान वनों की रक्षा और पर्वत प्रदेशों में वृक्षारोपण करना . सरकार ने वनों की कटाई पर रोक लगा दी और प्रतिवर्ष वन महोत्सव बनाये जाने लगे | प्रति वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाता है | श्री सुन्दरलाल बहुगुण के वृक्षारोपण के प्रयास और 'चिपको आन्दोलन' काफी लोकप्रिय है |वनमहोत्सव के कारण धीरे धीरे वृक्षों की संख्या और जंगली जानवारों की संख्या में बड़ी संख्या में वृद्दी होने लगी है | वनमहोत्सव माह के नाम से पूरे देश में वृक्षों को लगाया जाता है |

उपसंहार : वृक्षों को लगाने से वनों में बढ़ती होती है | आज अनेक सामाजिक संस्थाएं वृक्षारोपण के लिए कई कार्यक्रम कर रही है | वन - जागृती से यह आशा है कि हमारी धरती फिर से हरी-भारी हो जायेगी |

05 - इन्टरनेट वरदान है या अभिशाप

अर्थ : इन्टरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दोसरों से सम्बन्ध स्थापित करने का जाल है | आज मानव को खाना पानी जितना जरूरी है उतना ही जरूरी कंप्यूटर भी आवश्यक हो गई है |

लाभ : इन्टरनेट द्वारा घर बैठे - बैठे खरीदारी कर सकते है | कोई भी बिल भर सकते हैं | इससे दूकान जाना और घण्टों थक कतार (लाईन) में खड़े रहने का , समय बर्बाद होने से बच सकता है | इन्टरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर जितनी भी रकम बेज सकते हैं और मंगवा सकते हैं |

हानियाँ : इन्टरनेट की वजह से पैरसी , बैकिंग फ्राड , हैकिंग (सूचना / खबरों की चोरी) आदी से युव पीढी ही नही बच्चे भी इन्टरनेट की कबंध बाहों के पाश में फंसे जा रहे हैं | इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं | इसलिए आप लोगों को इन्टरनेट से सचेत रहना चाहिए |

उपसंहार : वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव जीवन को सुविधाजनक बनाया है | इन्टरनेट ने मानव की जीवनशैली और उसकी सोक से क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है | आज इन्टरनेट के बिना संचार व सूचना देना क्षेत्र कमजोर हो जाते हैं | इन्टरनेट ने पूरी तरह दुनिया को एक जगह ला खड़ा कर दिया है | जीवन के हर क्षेत्र में इन्टरनेट का बहुत बड़ा योगदान है | इन्टरनेट वरक्दान है तो अभिशाप भी है |

06 - स्वच्छ भारत अभियान

\

भूमिका : हमारे चारों ओर के वातावरण को स्वच्छ रखना ही स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश है | इन्हें हमारे प्रधानमंत्री जी गांधी जानती के दिन स्वच्छ भारत अभियानं की घोषणा की |

सफाई का महत्व : सफाई करने से हमारा वातावरण स्वच्छ रहता है इससे स्वास्थ भी अच्छा रहता है | मन आनंद से भरा रहता है | इसलिए हम हमेशा परिसर को स्वच्चता के साथ रखना चाहिए |

उपसंहार : एक व्यक्ति अपना परिवार, एक परिवार एक रास्ता, एक रास्ते के लोग अपना एरिया को स्वच्छ रखने का निर्णय लेना है | सभी मिलकर स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाना है |

07 - समाचार पत्र

प्रस्तावना:– आज संसार में संदेश को प्रसार करनेवाले संपर्क साधनों में समाचार पत्र भी एक है। यह सस्ता और सभी तरह के विषयों का परिचय करानेवाला सुलभ साधन है।

आरंभ:– समाचार पत्रों की जन्म भूमी यूरोप है। पहला समाचार पत्र सन् 1526 में इंग्लैंड में प्रकाशित हुआ। भारत में हिंदी का पहला पत्र 'उदंत मार्तंड' सन् 1826 में, अंग्रेजी में 'बंगाल गजट' सन् 1780 में और कन्नड में मंगलूरु समाचार सन् 1843 में प्रकाशित हुआ।

महत्व:– वर्तमान समय में समाचार पत्र विभिन्न भाषाओं में हजारों की संख्या में प्रकाशित हो रहा है। नवभारत टाइम्स, हिंदुस्तान टाइम्स, अमर उजाला और प्रजावाणि नामों से प्राकाशित हो रहे हैं। समाचार पत्र दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक रूप में मिलते हैं। विषय की दृष्टि से
सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक आदि वर्गों में विभाजित किया जाता है। समाचार पत्र में देश–विदेश की घटनाएँ, खेल–कूद, सिनेमा, मौसम, नौकरी संबंधी विज्ञापन, बाजार–भाव, कृषि–व्यापार संबंधी सूचनाएँ और विशेषांकों में प्रकाशित हो रहे हैं।

उपसंहार:–आज व्यक्तियों का एक अभिन्न अंग बना समाचार पत्र से विद्यार्थीयों को बहुत ही लाभ है और वे इसका निरंतर उपयोग करके अपने ज्ञान को बढ़ाये और संसार के सभी विचारों को समझे।

08 - खेल का महत्व

प्रस्तावना:– कहा जाता है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। यदि मनुष्य अपना संपूर्ण विकास करना चाहता है तो उसके शरीर का स्वस्थ होना अति आवश्यक है।

खेल का संबंध:– खेल का संबंध मनुष्य के मन और मस्तिष्क से होता है। खिलाड़ी अपनी रुचि के अनुसार ही खेल चुनता है। रुचि तब तृप्त होती है, जब रुचि के अनुकूल मनुष्य को कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। जैसे–जैसे मनुष्य को आत्मा–तुष्टि प्राप्त होती है, वैसे–वैसे उसका विकास होता जाता है।

खेल का महत्व:–खेल एक मनोरंजन का अच्छा साधन है तो दूसरी ओर समय के सदुपयोग का। मनोरंजन से मनुष्य की थकावट और उदासीनता दूर होती है। इसलिए मनुष्य विनोद को जीवन में अपनाता है। खेल के मैदान में खिलाड़ी खेलता है। वह खेलते समय दिनभर की थकान, घटनाएँ इत्यादि को भूल जाता है। खेल के मैदान में उसका मन निर्मल हो जाता है।

उपसंहार:–हम देखते हैं कि जीवन में खेल का बहुत महत्व है। दुर्भाग्य यह कि खेल और शिक्षा के संबंध में एक भ्रम हमेशा रहा है कि जो छात्र खिलाड़ी होता है, वह बुध्दिमान नहीं हो सकता, तो जो बुध्दिमान है, वह खिलाड़ी नहीं हो सकता। यह भ्रमपूर्ण है।

09 - मेरी पाठ शाला

प्रस्तावना:– बच्चे अपने घर पर ही अनौपचारिक शिक्षा पाकर औपचारिक शिक्षा पाने के लिए पाठ शाला में दाखिल होते हैं | यहाँ छात्रों को औपचारिक रूप से शिशा देकर उनका व्यक्तित्व बनाने का काम करता है |

विषय विश्लेषण :- मेरी पाठ शाला का नाम लोकसेवा निरत एम्.एसफ.द्यावे गौड़ सरकारी पदवी पूर्व कॉलेज (प्रौढ़ शाला विभाग) कोप्पा है | यहाँ 8वीं से 10वीं कक्षा तक पढ़ाया जाता है | और यहाँ हर क्लास में चार-चार विभाग है, हर विभाग में लग-भाग 60 से 70 छात्र पढाई कर रहें हैं | मेरी पाठ शाला में हर विषय के लिए अच्धे अनुभवी अध्यापक हैं ये सभी हमें अच्छी तरह पढ़ाते हैं | मेरी पाठ शाला में एक ग्रंथालय है जिस में लग-भाग 7000 से अधिक किताबें हैं | हम सभी इस ग्रंथालय से किताबें लेकर ;पढ़कर वापिस करते हैं | मेरी पाठ शाला में एक गार्डन भी है जिस में विभिन्न प्रकार के फूलों के पौधे हैं| जिस में कई प्रकार के रंग भी रंगे फूल खिलते हैं |इसके अलावा मेरी पाठ शाला में एक अध्यापकऔर छात्रों की सहकार संघ है | इस संघ से हमें कम दाम में नोट बुक, पेन, पेंसिल, एरेसर आदी स्टेशनरी सामान मिलते हैं | हमारी पाठ शाला में अनुशासन को बहुत महत्व स्थान दिया गया है | इससे छात्र अनुशासित होकर अच्छे जीवन मूल्यों को अपने जीवन में अपना लेते हैं |

उपसंहार:– "विद्या दादाची विनय नही ज्ञानेन साद्दश्यम" इस उक्ती के अनुसार छात्रों का सर्वांगीण विकास के लिए पाठ शाला सुभद्र नीव ढाल्ता है | अच्छे समाज के निर्माण में पाठ शाला का योगदान महत्व पूर्ण है | जहां शिक्षा/विद्या नही वहां अभिवृद्धी नही |

10 - वन महोत्सव

प्रस्तावना:–हमारे देश में ही नहीं वरन पूरे विश्व में वनों का विशेष महत्व है। वन ही प्रकृति की शोभा के भंडार है। हमें वनों की आवश्यकता सर्वोपरी होने के कारण हमें इसकी रक्षा की भी आवश्यकता सबसे बढ़कर है।

आवश्यकता:–वृक्षों की आवश्यकता इसलिए होती है कि वृक्ष हमें सुरक्षित रखते हैं। उनके स्थान रिक्त न हो सकें क्योंकि अगर वृक्ष अथवा वन नहीं रहेंगे, तो हमारा जीवन शून्य होने लगेगा। एक समय ऐसा आयेगा कि हम जी भी नहीं पायेंगे। जीवन नष्ट होने के कारण यह हो जायेगा कि वनों के अर्थात प्रकृति का संतुलन बिगड़ जायेगा।

कार्यक्रम:–वन महोत्सव प्रसिध्द उपन्यासकार कन्हैयालाल माणिक लाल मुंशी की देन है। उन्होंने वन–संपदा के महत्व को समझकर ही उसकी सुरक्षा और वृक्षों के लिए जनता से अपिल की थी। इसके बाद तो अनेक नेताओं ने इस ओर विशेष ध्यान दिया। इनकी प्रेरणा जन–जन के मन में बैठ गई। 1 जुलाई 1950 से भारत में प्रतिवर्ष इस दिन वन महोत्सव मनाया जाता है।

उपसंहार:–बढ़ी हुई भीषण जनसंख्या के कारण वनों के विस्तार की आवश्यकता इसलिए है कि इससे रोजगार और उत्पादक की मात्रा में वृध्दि हो सकें। सभी लोग खुशी से जीवन बिता सकें।

11 - समय का सदुपयोग

प्रस्तावना:– समय तीव्र गति से भाग रहा है। जिसने इसे पकड लिया, सफलता उसके चरण चूमती है। जिसने इसे गवाँ दिया है, वह हाथ मलता ही रह जाता है।

महत्व:– समय के सदुपयोग से ही जीवन का निर्माण हो सकता है। सफल व्यक्तियों के जीवन का इतिहास साक्षी है कि उन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग किया है। जो महत्व जीवन का है, वही महत्व समय का है।

समय खोने का अर्थ है, जीवन को नष्ट करना। जो लोग समय का महत्व समझते हैं और उचित समय पर काम करते हैं। वे ही जीवन में सफल होते हैं। आज के वैज्ञानिक युग में तो समय का महत्व बहुत ही बढ़ गया है।

लाभ:– समय के सदुपयोग से हमें अनेक लाभ हैं। कई दिनों का कार्य कुछ ही समय में कर सकते हैं। अवसर के क्षणों को हमें आमोद–प्रमोद एवं सांस्कृतिक कार्यों में लगाना चाहिए। इससे हमारे व्यक्तित्व का पूर्ण विकास होगा तथा हम श्रेष्ठ नागरिक भी बन सकेंगे।

उपसंहार:–अगर हमारे देश का प्रत्येक मनुष्य आलस्य को त्यागकर समय का सदुपयोग करना आरंभ कर दें तो दिन–दूनी रात–चौगुनी उन्नति करने लगेगा।

12 - बेरोजगारी की समस्या

प्रस्तावना:– जब युवक–युवती को विद्याध्यायन समाप्त करने के बाद कोई काम नहीं मिलता, तो उस अवस्था को बेरोजगारी कहते हैं। काम के बिना रहना। ही बेरोजगारी है |

कारण:– भारत विकासशील देश है। अभी उसके पास इतने साधन नहीं है कि प्रत्येक को रोजगार दे सकें। आर्थिक विकास तथा रोजगार के अवसरों में कोई तालमेल भी नहीं हैं। बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण रोजगार चाहनेवाले हाथों की संख्या भी द्रुत गति से बढ़ रहीं है। उतनी द्रुत गति से संसाधनों का विकास नहीं हो पा रहा है।

निदान:–बेरोजगारी की समस्या का निदान सोच–विचारकर करना आवश्यक है। हमारे शासकों को देश की औद्योगिक, शैक्षिक तथा आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार करना जरूरी है। विदेशी पूँजी का विचार त्याग कर देशी पूँजी पर निर्भरता आवश्यक है।

उपसंहार:–बढ़ती हुई जनसंख्या भारत की अनेक समस्याओं की जड़ है। बेरोजगारी की समस्या भी उसमें से एक है। यदि भारत में जनसंख्या की वृध्दि पर नियंत्रण संभव हो जाय तो बेरोजगार ही नहीं, अन्य समस्याएँ भी हल हो सकती हैं ।

13 - राष्ट्रभाषा हिंदी

प्रस्तावना:– भारत एक महान एवं विशाल देश है। इसमें अनेक राज्य हैं। विभिन्न राज्यों की विभिन्न भाषाएँ हैं। उसमें संविधान में अठारह भाषाओं को मान्यता दी गयी है। उसमें हिंदी भाषा भी एक हैं। वह हमारे देश की राजभाषा है।

राष्ट्रभाषा:–हिंदी ही राष्ट्रभाषा हो–इसके पक्ष में अनेक तथ्य हैं। हिंदी की संसार में अधिक बोलनेवाली भाषाओं में तीसरा स्थान है। आज देश में अधिक प्रयोग करनेवाली, सरल भाषा है। भारत के अनेक महान लोग हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना चाहते हैं। हिंदी आज संपर्क, राज, राज्य और राष्ट्र की भाषा बन गयी है। कंप्यूटर के क्षेत्र में हिंदी का प्रभाव बहुत बड़ा है।

आवश्यकता:–देश को एक सूत्र में बाँधने के लिए तथा संसार के समक्ष अपनी प्रतिष्ठा स्थापित करने के लिए हिंदी राष्ट्रभाषा हो सकती है। आज जिन क्षेत्रों में अंग्रेजी का प्रभाव है, उन क्षेत्रों में हिंदी आसन ग्रहण करेगी।

उपसंहार:–हिंदी अब राष्ट्रीय ही नहीं, एक अंतराष्ट्रीय भाषा भी हैं। हम चेष्टा करें कि यह अपने देश में ही नहीं फूले–फले, वरन राष्ट्रसंघ में स्थान पाकर विश्व में अपनी ज्योती फैलाये।

14 - पर्यावरण–प्रदूषण

अर्थ:–परि+आवरण से बना पर्यावरण शब्द का अर्थ हमारे इर्द–गिर्द का वातावरण । हमारे आस–पास दिखाई देनेवाले पेड, पौधे, जल. स्थल और पर्वत–पानी सभी पर्यावरण के अंतर्गत आते हैं।

प्रकार:–पर्यावरण तीन प्रकार से प्रदूषित होता है। 1] वायु या हवा प्रदूषण 2] जल या पानी प्रदूषण 3] शब्द या ध्वनि प्रदूषण।

कारण:–पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या। जनसंख्या की अधिकता से सभी चीजों की माँग बढती हैं। इस माँग को पूरा करने के लिए कल–कारखानों की स्थापना की जाती है। इन कल–कारखानों से
निकलनेवाली धुआँ, रासायनिक द्रव और भोंपू से वायु, जल और ध्वनि प्रदूषित होता है। वाहनों की अधिकता से, अज्ञान के कारण तालाब, कुआँ और नदी का पानी को गलत इस्तेमाल करने से प्रदूषित होता है। इस प्रदूषण को
अधिनियम 1974, सुंदरलाल बहुगुणा जी के चिपको आंदोलन, वन संरक्षण और पर्यावरण की रक्षा हमारा कर्तव्य समझकर काम करने से हम पर्यावरण प्रदूषण को कुछ हद तक कम कर सकते हैं।

उपसंहार:– आज वनों की विनाश से वर्षा, जाडे और धूप इन तीन काल में अंतर देख रहे हैं और पृथ्वी का तापमान बढ़ने लगा है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण की रक्षा में अधिक ध्यान दे।

~

-: ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हिंदी के साहित्यकार :-

क्र सं	वर्ष	साहित्यकार	विषय
01	1968	सुमित्रानंदन पंत -	चिदंबरा
02	1972	रामधारी सिंह दिनकर	उर्वशी
03	1978	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन'अज्ञेय	कितनी नावों मे कितनी बार
04	1982	महादेवी वर्मा	यामा
05	1992	नरेश मेहता	समग्र साहित्य
06	1999	निर्मल वर्मा	समग्र साहित्य
07	2005	कुँवर नारायण	समग्र साहित्य
08	2009	अमरकांत व	समग्र साहित्य
09	2009	श्रीलाल शुक्ल	(संयुक्त रूप से दिया गया ।)
10	2013	केदारनाथ सिंह	समग्र साहित्य
11	2017	कृष्णा सोबती	समग्र साहित्य

-: शुभ कामनाएं :-

अशोक कुमार बी.जी M.A.B.Ed.,
हिंदी अध्यापक
सरकारी पदाविपूर्व कॉलेज (प्रौढ़शाला विभाग) कोप्पा
चिक्कमगलरू जिला - 577126